संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 242
पृष्ठ 8
शुक्रवार
23 मई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बच्चों की सेहत को जबरदस्त...

विचार- वैज्ञानिक चेतना के शून्य को बढ़ा...

खेल- आईपीएल डेब्यू के चार साल के अंदर...

बीकानेर में पीएम मोदी ने भरी हुंकार

दुनिया ने देख लिया जब सिंदूर बारूद बन जाता है तो नतीजा क्या होता है

बीकानेर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को बीकानेर में एक रैली के दौरान पाकिस्तान पर तीखा हमला किया और कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेते हुए भारत ने महज 22 मिनट के भीतर पाकिस्तान के नौ बड़े एयरबेस नष्ट कर दिए। उन्होंने कहा कि जब शसिंदूर बारूद बन जाता हैश तो पूरी दुनिया ने देखा और दुश्मनों ने भी इसका नतीजा देखा। पीएम मोदी ने कहा कि 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने हमारी बहनों का धर्म पहचान कर उनके सिंदूर को मिटा दिया। हमला पहलगाम में हुआ, लेकिन गोलियों ने 1.4 अरब भारतीयों के दिलों को छलनी कर दिया। मोदी ने कहा कि एक स्वर में एकजुट होकर, हर भारतीय ने आतंकवाद को खत्म करने और कल्पना से परे सजा सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। यह भारतीय सशस्त्र बलों के साहस के कारण है कि हम आज मजबूत हैं। हमारी सरकार ने तीनों सेवाओं को खुली छूट दी और साथ में, तीनों सेवाओं ने इतनी प्रभावशाली रणनीति बनाई कि इसने पाकिस्तान को झुकने के लिए मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश के हर नागरिक ने कसम खाई थी कि वो आतंकियों को मार गिराएंगे। उन्होंने कहा, ष्आज आपके आशीर्वाद से हम सब सेना की बहादुरी पर खरे उतरे हैं और हमारी सरकार ने तीनों सेनाओं को खुली छूट दे दी है और तीनों सेनाएं एक साथ मिलकर ऐसा कुचक्र रच रही हैं कि पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर होना पड़ा। प्रधानमंत्री मोदी ने बीकानेर रैली में तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कहा, जब सिंदूर विस्फोटक बन जाता है, तो परिणाम सबके सामने आता है।

पर्यावरण संरक्षण में समाज भी निभाए भूमिका : योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक जिम्मेदारी और सहभागिता पर जोर देते हुये कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी–2025 का उद्घाटन करते हुए उन्होंने भारत के वैदिक दर्शन और सनातन परंपराओं का उल्लेख किया और प्रकृति के साथ सामंजस्य की आवश्यकता को लेकर लोगों से अपील भी की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक परंपराएं प्रकृति के प्रति गहरे सम्मान को दर्शाती हैं। उन्होंने वैदिक शांति पाठ का उदाहरण देते हुए बताया कि सनातन धर्म में हर मांगलिक अनुष्ठान की शुरुआत पृथ्वी, जल, अंतरिक्ष और समस्त चराचर जगत के कल्याण की कामना से होती है। उन्होंने कहा कि हमारी परंपराएं हमें सिखाती हैं कि मनुष्य का अस्तित्व प्रकृति और जैव विविधता के संरक्षण पर निर्भर है। अथर्ववेद में कहा गया है कि धरती हमारी माता है और हम इसके पुत्र हैं। एक पुत्र के नाते, हमें अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना होगा।

योगी आदित्यनाथ ने 1992 में शुरू हुई वैश्विक स्तर पर जैव विविधता संरक्षण की चर्चा का उल्लेख करते हुए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2070 तक भारत को नेट जीरो लक्ष्य प्राप्त करने का संकल्प लिया है, लेकिन इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समाज के हर व्यक्ति का योगदान आवश्यक है।

ईडी कर रहा है हदें पार : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने शराब दुकानों के लाइसेंस जारी करने से संबंधित कथित भ्रष्टाचार के एक मामले में तमिलनाडु राज्य विपणन निगम के खिलाफ धन शोधन जांच पर रोक लगाते हुए गुरुवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) संविधान का उल्लंघन करके सारी सीमाएं लांघ रहा है। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने तमिलनाडु सरकार की याचिका पर कथित 1,000 करोड़ रुपये के घोटाले में ईडी जांच की अनुमति देने वाले मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी।

वैकल्पिक चिकित्सा पर ध्यान देने की आवश्यकता : धनखड़

नयी दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने प्राचीन ग्रंथों के साक्ष्य–आधारित सत्यापन, डिजिटलीकरण, अनुवाद और बहुविषयक अध्ययन पर बल देते हुए गुरुवार को कहा कि यह ज्ञान अगली पीढ़ियों तक पहुंचाया जाना चाहिए। श्री धनखड़ ने आज गोवा के राजधानी में महर्षि सुश्रुत और महर्षि चरक की प्रतिमाओं का अनावरण करते हुए कहा कि प्राचीन ग्रंथों के साक्ष्य–आधारित सत्यापन, डिजिटलीकरण, अनुवाद और उन्हें आधुनिक संदर्भों में उपयोगी बनाने के लिए अनुसंधान और नवाचार किया जाना चाहिए।

जोशी ने आतंकवाद को पाकिस्तान का बताया समर्थन

हुबली, एजेंसी। केन्द्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि विभिन्न देशों के साथ भारत की आतंकवाद विरोधी पहल केवल 'ऑपरेशन सिन्दूर' तक ही सीमित नहीं है, बल्कि आतंकवाद को समर्थन देने में पाकिस्तान की जारी भूमिका को भी उजागर करती है। श्री जोशी ने भारत के अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी प्रयासों पर एक सवाल के जवाब में कहा कि पाकिस्तान दशकों से आतंकवाद को बढ़ावा देता रहा है। उन्होंने कहा, "भारत द्वारा आतंकवादी ठिकानों और शिविरों को निशाना बनाए जाने के बाद, पाकिस्तान ने अनावश्यक रूप से जवाबी कार्रवाई की। भारत की सख्त कार्रवाई के बावजूद, पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद का समर्थन करना जारी रखता है।" केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि भारत की ओर से सख्त कार्रवाई के बावजूद पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद का समर्थन जारी रखे हुए है। उन्होंने कहा कि भारत का रुख स्पष्ट और सभी दलों की ओर से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल टीमों का अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जापान सहित कई देशों का दौरा करने का कार्यक्रम है। वे पाकिस्तान और आतंकवादी संगठनों जैसे लश्कर–ए–तैयबा, जैश–ए–मोहम्मद और हक्कानी नेटवर्क के बीच संबंधों से जुड़े सबूत पेश करेंगी, ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा पर एकजुट राजनीतिक रुख दिखाया जा सके और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की भूमिका को उजागर किया जा सके।

केंद्र के इस कदम का भगवंत मान ने किया विरोध, बोले

पंजाब के हिस्से का पानी चुराने नहीं देंगे

चंडीगढ़, एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरुवार को नंगल बांध की सुरक्षा के लिए 296 सीआईएसएफ कर्मियों की टुकड़ी तैनात करने के केंद्र के फैसले पर आपत्ति जताते हुए कहा कि सुरक्षा के लिए पंजाब पुलिस पहले से ही वहां मौजूद है। केंद्र सरकार के इस कदम पर सवाल उठाते हुए मान ने पूछा कि जब पंजाब पुलिस पहले से ही बांध पर सुरक्षा मुहैया करा रही है तो सीआईएसएफ कर्मियों को तैनात करने की क्या जरूरत थी। उन्होंने सीआईएसएफ की तैनाती को अनावश्यक और राज्य के लिए वित्तीय बोझ बताया।

संगरूर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वह शनिवार को होने वाली नीति आयोग की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष इस मुद्दे को उठाएंगे। संघीय ढांचे में केंद्र के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने के महत्व को स्वीकार करते हुए मान ने कहा, ष्मैं अच्छे संबंध बनाए रखने की कोशिश करूंगा लेकिन अगर केंद्र हमारी मांगों से सहमत नहीं होता है, तो हम पंजाबी हैं, हम इसका डटकर मुकाबला करेंगे।

केंद्र ने पंजाब और हरियाणा के बीच बांध के पानी के बंटवारे को लेकर चल रहे गतिरोध के बीच नंगल बांध को सुरक्षा प्रदान करने के लिए 296 केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) कर्मियों की एक टुकड़ी को मंजूरी दी है। भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) को सीआईएसएफ के पक्ष में 8,58,69,600 रुपये की सुरक्षा राशि जमा करने के लिए कहा गया है, जिसकी गणना प्रति कर्मचारी 2,90,100 रुपये के हिसाब से की गई है।

मान ने कहा कि वे कहते हैं कि या तो बीबीएमबी या पंजाब यह पैसा देगा। जब पंजाब पुलिस पहले से ही बांध की मुफ्त सुरक्षा कर रही थी, तो इसकी क्या जरूरत थी? हमें पैसे क्यों देने चाहिए? उन्होंने कहा कि मैं इस कदम का कड़ा विरोध करूंगा। हम न तो बीबीएमबी के माध्यम से और न ही पंजाब सरकार के सरकारी खजाने से पैसे दिए जाने देंगे। सुरक्षा घेरा लगाने के केंद्र के इरादे पर सवाल उठाते हुए मान ने पूछा कि क्या वह पंजाब के हिस्से का पानी चुराना चाहता है। उन्होंने कहा, ष्हम ऐसा नहीं होने देंगे।ष मान ने पंजाब भाजपा प्रमुख सुनील जाखड़ सहित भाजपा नेताओं से भी पूछा कि क्या केंद्र का हालिया कदम उनकी मंजूरी से आया है। मुख्यमंत्री ने पूछा कि केंद्र को यह फैसला वापस लेना चाहिए।

'आप' ने 10 राज्यों में प्रभारी नियुक्त किये

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी(आप) ने संगठन को मजबूत करने के लिए 10 राज्यों में प्रभारी और तीन राज्यों में सह प्रभारी नियुक्त करने की गुरुवार को घोषणा की। 'आप' के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) एवं राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक ने इन पदाधिकारियों की नियुक्ति की आज सूची जारी कर दी। पार्टी ने मध्य प्रदेश में श्री जीतेंद्र सिंह तोमर को प्रभारी बनाया है। श्री सिंह 'आप'की दिल्ली सरकार में मंत्री रह चुके हैं। कर्नाटक में श्री राजेश गुप्ता को प्रभारी बनाया गया है। श्री गुप्ता पूर्व विधायक हैं। इसी तरह, पूर्व विधायक ऋतुराज गोविंद को हिमाचल प्रदेश में प्रभारी बनाया गया है। 'आप' ने उत्तराखंड में श्री महेंद्र यादव, राजस्थान में श्री धीरज टोकस और महाराष्ट्र में श्री प्रकाश जारवाल को प्रभारी बनाया है। इसी तरह,तेलंगाना में पार्टी ने मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़, केरल में दिल्ली की पूर्व मेयर शैली ओबेरॉय, तमिलनाडु में श्री पंकज सिंह और लद्दाख में श्री प्रवीण प्रभाकर गौर को प्रभारी बनाया गया है। 'आप'ने उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में सह प्रभारियों कि भी घोषणा की है। वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक दिलीप पांडे को ओवरसीज कोऑर्डिनेटर के अलावा उत्तर प्रदेश का सह प्रभारी भी बनाया है।

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, अंबाला के डीसी ऑफिस को भी धमकी वाला मेल

अंबाला, एजेंसी। अंबाला के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) कार्यालय में उस समय अफरातफरी मच गई, जब डीसी के आधिकारिक आईडी पर परिसर में बम होने संबंधी एक ई–मेल प्राप्त हुआ। सुरक्षा एजेंसियां घ्तुरंत सतर्क हो गईं। आरपीएफ इंस्पेक्टर रवींद्र सिंह ने बताया कि डीसी कार्यालय में बम की धमकी वाला मेल मिला है। राजकीय रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल ने स्टेशन पर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। हम प्रतीक्षा क्षेत्र की जांच कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कोई संदिग्ध चीज न मिले...अब तक सब कुछ ठीक है। यह सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है कि स्टेशन सुरक्षित रहे। तलाशी के बाद पता चला कि धमकी महज अफवाह थी। डीसी अजय तोमर ने बताया कि सुबह–सुबह सरकारी आईडी पर मेल आया था कि परिसर में आरडीएक्स आधारित आईईडी रखा गया है, लेकिन प्रथम दृष्टया यह अफवाह लग रही थी। उन्होंने बताया, ष्पुलिस की टीमों ने बम निरोधक दस्ते और अन्य टीमों के साथ मिलकर कार्यालय खुलने से पहले तलाशी अभियान शुरू किया। पुलिस की हरी झंडी के बाद यह महज अफवाह साबित हुई। पुलिस मेल के स्रोत की जांच कर रही है और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। इससे पहले फतेहाबाद और फरीदाबाद में भी इसी तरह की धमकी भरी मेल मिली थी, लेकिन वे भी अफवाह निकलीं। वहीं, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय को बृहस्पतिवार को बम रखे जाने की धमकी का एक ई–मेल मिला जिसके बाद चंडीगढ़ पुलिस ने अदालत परिसर की तलाशी शुरू की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को नहीं मिली राहत

नयी दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा की हिसार जिला अदालत ने गुरुवार को यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा घ्घ्को चार दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया। उन्हें कथित तौर पर संवेदनशील जानकारी साझा करने और एक पाकिस्तानी नागरिक के साथ लगातार संपर्क बनाए रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इस बीच, पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) सीआईडी घ्घ्काइम ब्रांच, सार्थक सारंगी ने कहा कि तथ्यों की अभी भी पुष्टि की जा रही है। अधिकारी ने कहा कि हमें अभी जानकारी मिली है कि यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा घ्घ्ने पुरी के जगन्नाथ मंदिर का दौरा किया और इसके बारे में एक वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। वह चिल्का और कोणार्क भी गई थी। वह ओडिशा के एक यूट्यूबर के संपर्क में थी। हम सभी तथ्यों की पुष्टि कर रहे हैं। हम ज्योति मल्होत्रा के संबंध में हरियाणा में अपने समकक्षों के संपर्क में हैं। हिसार के पुलिस अधीक्षक (एसपी) शशांक कुमार सावन के अनुसार, मल्होत्रा घ्घ्को एक संपत्ति के रूप में विकसित किया जा रहा था और उसने अन्य यूट्यूब प्रभावशाली लोगों और पाकिस्तानी नागरिकों के साथ संबंध बनाए रखे थे।

आसिम मुनीर कट्टरपंथी, पहलगाम आतंकी हमला उसी का नतीजा : विदेश मंत्री

एम्सटर्डम । भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने पाकिस्तानी सेना के प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर पर तीखा हमला बोला और उन्हेंधार्मिक कट्टरपंथी बता दिया। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमला उस कट्टरपंथी सोच का ही नतीजा है। नीदरलैंड के एक समाचार पत्र के साथ बातचीत में डॉ. जयशंकर ने कहा कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी किए गए आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया।

पहलगाम आतंकी हमले पर डॉ. जयशंकर ने कहा कि श्भारतीय क्षेत्र जम्मू कश्मीर में बर्बर आतंकी हमला किया गया, जहां 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या कर दी गई। यह हमला कश्मीर की अर्थव्यवस्था पर किया गया था क्योंकि कश्मीर की अर्थव्यवस्था पर्यटन पर ही आधारित है। हमले के द्वारा धार्मिक भेदभाव को बढ़ाने की कोशिश की गई और लोगों को धर्म पूछकर मारा गया। पाकिस्तान की सेना के जो प्रमुख हैं, वो खुद धार्मिक कट्टरपंथी हैं। पहलगाम में हुआ आतंकी हमला उसी कट्टरपंथी सोच का नतीजा है।श

विदेश मंत्री ने कहा कि पहलगाम हमले के पीछे टीआरएफ और लश्कर ए तैयबा जैसे आतंकी संगठन हैं और टीआरएफ ने हमले की जिम्मेदारी भी ली है। उन्होंने कहा कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को 2023, 2024 में टीआरएफ पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी। जयशंकर ने कहा कि हमने पहलगाम आतंकी हमला करने वाले लोगों की पहचान की और ये कोई छिपी हुई बात नहीं है और उसके बाद उन्हें निशाना बनाया। साथ ही किसी सैन्य या नागरिक ठिकानों को निशाना नहीं बनाया, लेकिन पाकिस्तान की सेना ने आतंकियों के समर्थन में भारत पर हमला किया। भारतीय विदेश मंत्री ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष विराम में किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से इनकार किया। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम द्विपक्षीय तौर पर हुआ।

एसआरएन में अंडर ग्राउंड केबल डालने का कार्य शुरू

प्रयागराज। सात मई को आई तेज आंधी व बारिश से एसआरएन अस्पताल में कई बिजली के पोल गिर गए थे। अस्पताल परिसर में बिजली के पोल गिरने से अस्पताल व आवासीय पसिर बिजली आपूर्ति बाधित हो गयी थी। अस्पताल प्रशासन की ओर से विद्युत आपूर्ति की वैकल्पिक व्यवस्था जरूर की गयी लेकिन कई विभागों में मशीनों का संचालन अभी बंद है। बिजली आपूर्ति को बहाल करने के लिए अस्पताप परिसर में नई अंडर ग्राउंड केबल डाली जा रही है। केबल डालने के बाद ही बिजली आपूर्ति बहाल होगी। बिजली न आने से सीएसएसडी विभाग की में लगी तीन सेमी ऑटो क्लेप मशीनें बंद है। मशीनों के बंद होने से छह ऑपरेशन थियेटर, वार्डों व ट्रामा सेंटर में ऑपरेशन व ड्रेसिंग के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरणों को उच्च तापमान पर गर्म करके विशेष सफाई नहीं हो पा रही है।

नए भवन तीसरे तल पर होगा यूपीपीएससी अध्यक्ष का कक्ष

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में निर्माणाधीन जी11 बिल्डिंग के बेसमेंट में पार्किंग और कैंटीन होगी। भूतल पर दो परीक्षा कक्ष, दो कंप्यूटर टेस्ट कक्ष होगा। प्रथम तल पर वेटिंग रूम और डाक्यूमेंट स्क्रूटनी के लिए होगा। यहां से

एक्सेस मिलने के बाद परीक्षार्थी दूसरे तल पर इंटरव्यू कक्ष में जा सकेगा। इंटरव्यू कक्ष में कोई भी गैजेट और फोन नहीं होगा। इससे अभ्यर्थी को यह पता नहीं चल सकेगा कि वह किसके बोर्ड में इंटरव्यू दे रहा है। तीसरा तल अध्यक्ष का होगा। चेयरमैन के लिए एक अलग इंटरव्यू कक्ष होगा। इसमें भी कोई गैजेट नहीं होगा। चौथे तल पर सदस्यों के कक्ष होंगे, जिसपर नेम प्लेट नहीं लगी होगी। पांचवा तल सेवा सेक्शन यानी सीधी भर्ती से संबंधित होगा। छठवां तल ऑफिस का होगा। सातवें पर सचिव और वित्त के कक्ष होंगे। आठवां गोपनीय कंपयूटर कक्ष होगा। 9, 10 और 11वां तल पर परीक्षा विभाग होगा।

बड़े फलदार पेड़ों के कम होने से जैव विविधता पर छाया संकट

प्रयागराज। जीव और प्रकृति एक दूसरे के पूरक हैं, लेकिन विकास की दौड़ में सबसे ज्यादा संकट प्रकृति पर है। क्योंकि इसका प्रभाव जल, जंगल और जमीन पर पड़ता है। यहां तक कि पारंपरिक पेड़ों की घटती संख्या और नदियों में बढ़ते प्रदूषण से जीव–जंतुओं और पादपों का संरक्षण नहीं हो पाता। इससे जैव विविधता और पारिस्थितिकी तेजी से असंतुलित होने लगती है। गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाएगा। वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने बताया कि आजकल कलमी फलदार पौधों का क्षेत्र बढ़ रहा है। इसलिए आम, बेल, महुआ, नीम, कटहल, शीशम व बरगद जैसे पारंपरिक पेड़ों की संख्या लगातार कम हो रही है। जबकि पारंपरिक पौधे न केवल लंबे समय तक लकड़ी व फल देते हैं, बल्कि जैव विविधता के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। जिला परियोजना अधिकारी एषा सिंह ने बताया कि नदियां जैव विविधता का जीवंत केंद्र होती हैं। क्योंकि नदियों में मछलियां, डॉल्फिन, कछुए, केकड़े, जलपक्षी और सैकड़ों सूक्ष्म जीव रहते हैं। डॉल्फिन जलजीवों की शृंखला में शीर्ष शिकारी होती हैं। इनके न होने से मछलियों और अन्य जीवों की संख्या असंतुलित हो सकती है।

पुलिस की गाड़ी देख भागे लोग, कुएं में गिरने से एक की मौत

प्रयागराज। करेली थाना क्षेत्र के करेंहदा में बुधवार की रात पुलिस की गाड़ी देख भागते समय एक युवक की सड़क किनारे कुएं में गिरने से मौत हो गई। सड़क किनारे गुमटी के पास बैठकर कुछ लोग नशे का सेवन कर रहे थे। पुलिस ने कुएं में गिरे विजय प्रकाश गौतम को फायर ब्रिगेड की मदद से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। करेली थाना क्षेत्र के करेंहदा निवासी 25 वर्षीय विजय प्रकाश की पत्नी पहले ही उसे छोड़कर चली गई थी। उसकी कोई संतान नहीं है। पुलिस के अनुसार बुधवार की रात विजय प्रकाश घर से करीब छह सौ मीटर दूर स्थित एक गुमटी के पास बैठा था। यहीं पर कुछ नशेड़ियों का भी जमावड़ा लगा था। रात्रि गश्त के दौरान पुलिस वाहन की लाइट देख वहां से लोग भागने लगे। इसी बीच सड़क किनारे कुएं में विजय प्रकाश गिर गया। इसकी जानकारी होते ही पुलिस ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की मदद से विजय प्रकाश को कुएं से बाहर निकालकर एसआरएन ले जाया गया। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी राजेश मौर्या ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम को भेज दिया गया है।

यातायात पुलिस ने कार से नीली बत्ती की जब्त

प्रयागराज। यातायात पुलिस ने ऑपरेशन क्लीन के तहत सिविल लाइंस क्षेत्र में चारपहिया व दोपहिया वाहनों के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान काली फिल्म के साथ ही यातायात नियमों उल्लंघन करने और नो–पार्किंग में खड़ी कुल 156 वाहनों का चालान किया गया। वहीं एक कार में लगी नीली बत्ती को भी जब्त कर चालान करते हुए कड़ी हिदायत दी गई। सिविल लाइंस क्षेत्र के सुभाष चौराहे पर एसीपी यातायात कुलदीप सिंह और यातायात निरीक्षक अमित कुमार ने नीली बत्ती व ब्लैक फिल्म लगे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इनमें से कई गाड़ियों से काली फिल्म हटाई गई। फर्जी नंबर प्लेट, बीमा की वैधता, प्रदूषण प्रमाण पत्र की अनुपलब्धता जैसी अनियमितताओं पर भी कार्रवाई की गई। वहीं दोपहिया वाहनों पर ट्रिपल सवारी और हेलमेट न पहनने वालों के खिलाफ भी चालान काटे गए। एसीपी यातायात कुलदीप सिंह ने बताया कि अभियान लगातार जारी रहेगा। यातायात नियमों व कानून का उल्लंघन करने वालों को कतई बश्खा नहीं जाएगा।

गम को और गहरा कर देती है अव्यवस्था

प्रयागराज। शहर के किसी सार्वजनिक स्थान पर सबसे ज्यादा गंदगी है तो वह है मंडल के सबसे बड़े एसआरएन अस्पताल परिसर में बने पोस्टमार्टम हाउस और उसके आसपास। पोस्टमार्टम हाउस तक शवों के साथ आने वाला हर व्यक्ति अपने को खोने से इतना व्यथित रहता है कि उसकी किसी से कोई अपेक्षा नहीं रहती। वह चाहता है कि जितना जल्दी उनके अपने के शव का पोस्टमार्टम हो जाए और वे लेकर चले जाएं, लेकिन पोस्टमार्टम की प्रक्रिया ही ऐसी है कि हर किसी को कम से कम चार से छह घंटे तक इंतजार करना पड़ता है। वहीं पोस्टमार्टम हाउस में फैली अव्यवस्था, गंदगी और बुनियादी सुविधाओं की कमी लोगों के गम को और गहरा कर देती है।

सामान्य तौर पर यहां हर माह 300 से 350 शवों का पोस्टमार्टम किया जाता है। यहां शवों के साथ रोजाना 400 से 500 लोग आते हैं। लेकिन न किसी को पीने का पानी नसीब होता है, न छांव मिलती है । एक साल पहले पोस्टमार्टम हाउस परिसर में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाने के लिए पूरी सड़क उखाड़ दी गई थी। भूमिगत सीवर पाइप बिछाने के बाद सड़क पर गिट्टी डालकर ठेकेदार ने काम छोड़ दिया जबकि पोस्टमार्टम हाउस के बाहर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाने के लिए जगह का निर्धारण ही नहीं हुआ। पोस्टमार्टम हाउस के मुख्य रास्ते और गेट पर कीचड़, गंदगी, दुर्गंध ऐसी है कि वहां पांच मिनट खड़ा होना भी मुश्किल है। शव का पोस्टमार्टम कराने आने वालों को भी यहां कई तरह की परेशानी होती है लेकिन पोस्टमार्टम हाउस की अव्यवस्थाओं से स्वास्थ्य विभाग ने भी आंखें फेर रखी है। एसआरएन अस्पताल परिसर में स्वास्थ्य विभाग की ओर से संचालित पोस्टमार्टम हाउस कहने को तो आधुनिक चीर घर है लेकिन इसकी डगर बहुत कठिन है। चारों तरफ फैली गंदगी से संक्रामक बीमारी फैलने का खतरा है। वहीं प्यास बुझाने के लिए लोगों को परिसर में पेयजल नसीब नहीं होता। पोस्टमार्टम हाउस परिसर में न तो पर्याप्त बेंच है और न ही ऐसी समतल जमीन कि दूरदराज से आए व्यथित लोग अंगौछा बिछाकर समय काट सकें। लोगों का कहना है कि सौंदर्यीकरण के नाम पोस्टमार्टम हाउस के पास एक दर्जन पेड़ काट दिए जाने से बैठने के अब छांव भी नहीं मिलती। पहुंचने का रास्ता ही बहुत मुश्किल पोस्टमार्टम हाउस तक पंहुचने के लिए दो रास्ते हैं पहला एसआरएन अस्पताल के प्रवेश द्वार से पुरानी बिल्डिंग के किनारे से और दूसरा सीएवी इंटर कॉलेज के बगल से गोबर गली होकर। लेकिन दोंनों रास्तों पर वाहन ही नहीं लोगों को पैदल चलना मुश्किल है। एसआरएन परिसर में पोस्टमार्टम हाउस तक आने वाली सड़क महाकुम्भ से पहले खोदी गई थी लेकिन उसे समतल नहीं किया गया। इस सड़क पर बड़ी संख्या में एंबुलेंस व अन्य वाहनों का आवागमन होता है लेकिन सड़क पर गड्ढे होने के कारण असंतुलित होकर पलट जाते हैं। अस्पताल का पूरा कचरा इसी सड़क के किनारे फेंका जाता है, इससे यहां पूरे इलाके में दुर्गंध से लोग परेशान हैं। अस्पताल के अंदर से जो शव स्ट्रेचर पर लाने व ले जाने में दिक्कत होती है। एंबुलेंस व दो पहिया वाहन अक्सर इस रास्ते पर पलट जाते हैं। –धमेन्द्र यादव पोस्टमार्टम हाउस में चारों तरफ गंदगी फैली हुई हैं। यहां सफाई का कोई इंतजाम नहीं हैं। गंदगी से परिसर में दो मिनट रुकना मुश्किल है। वाहनों के पार्किंग की जगह नहीं है।–शिव लाल परिसर में शुद्ध पेयजल का कोई इंतजाम नहीं है। दीवार से सटी एक टोंटी में पानी आता है लेकिन वहां गंदगी होने के कारण पानी पीने का मन नहीं करता। पानी खरीदकर पीना पड़ता है। – कान्हा परिसर में साफ–सफाई बिल्कुल नहीं होती। बैठने के लिए तीन बेंच हैं जिस पर 15 लोग ही बैठ सकते हैं। बाकी लोग धूप में खड़े इंतजार करते रहते हैं। कहीं छांव नहीं मिलती। –चंद्रसेन यादव शव का पोस्टमार्टम सुबह से शुरू कर दिया जाए तो इससे लोगों को सहूलियत मिलेगी। यहां लोग सुबह से आने लगते हैं लेकिन पोस्टमार्टम दोपहर दो बजे से शुरू हो जाता है। –गुलाब सिंह परिसर में छांव की कोई व्यवस्था नहीं है। शव के साथ आने वाले धूप में खड़े होकर इंतजार करते हैं। बैठने के लिए बेंच की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। लोग इधर–उधर भटकते रहते हैं।–सुनील पोस्टमार्टम हाउस के गेट के बगल गली में गंदगी का ढेर लगा है। दुर्गंध के कारण गेट के पास कोई व्यक्ति खड़ा नहीं हो सकता। परिसर में कोई सफाई के लिए नहीं आता है।–रूप सिंह यहां पानी की बहुत बड़ी किल्लत है। गंदगी में खड़े होकर पानी पीने को मिलता है। सड़क पर जगह–जगह गड्ढे होने के कारण दो पहिया वाहन अक्सर पलट जाते हैं।– डॉ किशुन

परिसर में बाहरी वाहनों का आवागमन होता रहता है। इससे परिसर में बैठे लोगों की दुर्घटना होने की संभावना रहती है। महाकुम्भ में खोदी गईं सड़कों को समतल नहीं किया गया। –नागेन्द्र

यहां लगे पेड़ों के काट दिए जाने से छांव कहीं नहीं रह गई है। शव लेने के लिए आए लोग अपने वाहनों में बैठे रहते हैं। कैंटीन के पास तीन बड़े पेड़ काट दिए गए हैं।–राहुल यादव रास्ते में गड्ढे होने के कारण पोस्टमार्टम हाउस तक पहुंचना आसान नहीं है। सड़क पूरी तरह से गड्ढे के रूप में बदल चुकी है। बारिश में समस्या और बढ़ जाएगी।–शिव कुमार यादव

परिसर के पीछे गेट के सामने वाली सड़क का नाम ही गोबर गली है। यहां शव लेकर आने वाली एंबुलेंस की रफ्तार थम जाती है क्योंकि पूरी सड़क पर स्थानीय लोग भैंस बांधे रहते हैं।–सुनील यादव

पोस्टमार्टम हाउस तक पहुंचना बहुत ही मुश्किल है। यहां आए दिन एंबुलेंस फंसती रहती है। गंदगी के कारण लोगों को बहुत परेशानी होती है। पोस्टमार्टम हाउस परिसर की साफ–सफाई नहीं होती। –बल्लू

शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए दूर–दराज से लोग आते हैं लेकिन पोस्टमार्टम दोपहर दो बजे से शुरू होता है। यहां आने वाले बाजार से पानी खरीदकर पीते हैं। यहां बैठने की भी व्यवस्था नहीं है।–श्याम बाबू पोस्टमार्टम हाउस परिसर में बाहरी वाहनों के आने जाने पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। सैकड़ों की संख्या में लोग दो पहिया व चार पहिया वाहन से इसी रास्ते से होकर गुजरते हैं।–तूफानी बिंद परिसर में बने कमरे में गंदगी फैली हुई है यहां बैठने की जगह नहीं है। लोहे की कुर्सियां टूट गई हैं। फर्श पर खून के धब्बे जगह–जगह लगे हैं। सीलिंग फैन खराब है।– हारुन परिसर के आसपास जो पहले पेड़ लगे थे वह काट दिए गए। पोस्टमार्टम परिसर में कोई शेड भी नहीं है जिसके नीचे लोग खड़े हो सके। पोस्टमार्टम हाउस आकर लोग बीमार हो जाते हैं। –एसके उपाध्याय

पोस्टमार्टम हाउस में पेयजल को लेकर जो समस्या है उसे जल्द दूर कर दिया जाएगा। लोगों को बैठने के लिए बेंच और सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। शव के साथ पोस्टमार्टम हाउस आने वालों को किसी तरह की दिक्कत न हो इसके पूरे प्रयास किए जाएंगे।–डॉ. एके तिवारी, सीएमओ

- अस्पताल परिसर से पोस्टमार्टम हाउस तक आने वाली सड़क खुदी होने से चलना मुश्किल है।
- पोस्टमार्टम हाउस के गेट के बगल कूड़े का ढेर लगा है, जिससे दुर्गंध फैल रही है।
- लोगों को बैठने के लिए पर्याप्त बेंच नहीं है, कहीं छांव भी नहीं है।
- पोस्टमार्टम हाउस परिसर व कमरों में साफ-सफाई नहीं होती।
- परिसर में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था नहीं है लोग पानी खरीदकर पीते हैं।
- अस्पताल परिसर से पोस्टमार्टम हाउस तक आने वाली सड़क बनवाई जाए।
- अस्पताल अधीक्षक के कार्यालय और पोस्टमार्टम हाउस के गेट पर लगे कूड़े को हटाया जाए।
- पोस्टमार्टम हाउस परिसर में बैठने के लिए शेड व बेंच की व्यवस्था की जाए।
- परिसर में स्ट्रेचर और पेयजल की व्यवस्था कराई जाए।
- –पोस्टमार्टम हाउस परिसर में बाहरी वाहनों का प्रवेश रोका जाए।

विवाह रजिस्ट्रेशन नियम में करें संशोधन, हाईकोर्ट का यूपी सरकार को निर्देश, क्यों पड़ी जरूरत?

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जाली दस्तावेजों के जरिए शादी कराने वाले गिरोह पर और घर से भागकर शादी के बाद मानव तस्करी, यौन शोषण और जबरन श्रम जैसे मामलों पर लगाम लगाने के लिए उत्तर प्रदेश विवाह पंजीकरण नियम 2017 को संशोधित करने के निर्देश दिए हैं और इसके लिए छह महीने का समय निर्धारित किया है। कोर्ट ने कहा कि विवाह की वैधता और पवित्रता को बनाए रखने के लिए नियम में संशोधन करने की आवश्यकता है। कोर्ट ने कहा कि सत्यापन योग्य विवाह पंजीकरण तंत्र विकसित करने की आवश्यकता है। यह आदेश न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर ने शनिदेव व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है।

कोर्ट ने यह आदेश जाली दस्तावेजों के जरिए शादी कराने वाले संगठित गिरोह का खुलासा होने पर दिया है। कोर्ट के समक्ष घर से भागकर शादी करने वाले करीब 125 अलग–अलग मामलों की सुनवाई के दौरान कई विसंगतियां आईं। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान पाया कि सुरक्षा के लिए अदालतों में विवाह

के फर्जी प्रमाण पत्र दिए गए हैं। कोर्ट ने कहा कि गवाहों के रूप में नामित व्यक्ति के नाम भी काल्पनिक पाए गए। सुनवाई के दौरान पाया गया कि कई मामलों में तो वास्तव में विवाह हुआ ही नहीं था। विवाह प्रमाण पत्र जारी करने वाली संस्थाओं का कोई अता पता नहीं था।

कोर्ट ने कहा कि वयस्क होने पर निःसंदेह सभी को जीवन साथी चुनने का अधिकार है लेकिन इस अधिकार का प्रयोग वैधानिक प्रावधानों को दरकिनार करके नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि राज्य और उसके तंत्रों की जिम्मेदारी है कि वह कानून का सख्ती से पालन कराएं और विवाह संस्था की अखंडता व पवित्रता की रक्षा करें। कोर्ट ने कहा कि ऐसे विवाह के कई बार गंभीर परिणाम सामने आते हैं। भागकर शादी के बाद मानव तस्करी, यौन शोषण और जबरन श्रम जैसे मामले भी सामने आएं हैं। ऐसे में विवाह पंजीकरण अधिनियम में संशोधन जरूरी है।

कोर्ट ने संशोधन के सुझाव भी दिए

कोर्ट ने महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रधान सचिव को 2017 के विवाह पंजीकरण के नियम में संशोधन में कुछ सुझाव भी दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि विवाह के लिए धार्मिक रीतिरिवाज, अनुष्ठान का खुलासा अनिवार्य किया जाए। विवाह अधिकारियों को आपत्तियां उठाने, संदेह के आधार पर आवेदन अस्वीकार करने और रिकॉर्ड बनाए रखने का अधिकार दिया जाए। इसके अलावा फर्जी प्रमाण पत्रों को रोकने के लिए पुजारियों/संस्थाओं को विनियमित करने के लिए कानून बनाया जाए। विवाह कराने वाली संस्थाओं की जवाबदेही के लिए आयु और निवास प्रमाण की फोटोकॉपी रखना अनिवार्य किया जाए। फर्जी आयु दस्तावेज को रोकने के लिए पंजीकरण के साथ ऑनलाइन आयु सत्यापन प्रणाली बनाई जाए। विवाह पंजीकरण के लिए वर वधु का आधार प्रमाणीकरण दोनों पक्षों और गवाहों का बायोमीट्रिक डाटा, फोटो, सीबीएसई, यूपी बोर्ड, पैन, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस जैसे आधिकारिक पोर्टल से आयु सत्यापन की जाए। ख़ासकर भागकर शादी करने वाले जोड़ो के वीडियो फोटो को भी विवाह पंजीकरण में शामिल किया जाए।

लू–गर्मी से निपटने को यूपी सरकार का एक्शन प्लान, हीटवेव से बचाने को गरीबों के घरों की छतें करेंगे पेंट

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में हीटवेव से बचाने के लिए अहमदाबाद की तर्ज पर मलिन बस्तियों के घरों पर सफेद पेंट कराया जाएगा। छतों पर सफेद पेंट होने से घरों का तापमान 3–4 डिग्री सेल्सियस तक कम होने से गरीब परिवारों को प्रचंड गर्मी से राहत मिलेगी। नगर निगम स्थित प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सभागार में बुधवार को हीटवेव पर आयोजित कार्यशाला के बाद मलिन बस्तियों के घरों की छतों पर सफेट पेंट करने और पब्लिक एड्रेस सिस्टम के जरिए शहरवासियों को हेटवेव से बचाव को लेकर जागरूक किया जाएगा। कार्यशाला समापन के पश्चात अपर नगर आयुक्त दीपेंद्र यादव ने बताया कि हीटवेव को देखते हुए प्रदेश सरकार के निर्देश पर नगर निगम महत्वपूर्ण कदम उठाया है। तैयार किए गए एक्शन प्लान में पब्लिक एड्रेस सिस्टम के अलावा शहरवासियों को रेडियों जिंगल्स, वीडियो मेसेज के के जरिए भी लोगों को जागरूक किया जाएगा। हीटवेव से बचाव को लेकर की जाने वाली व्यवस्था और इसपर निगरानी के लिए शासन के निर्देश पर 18 सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। अपर नगर आयुक्त ने बताया कि अहमदाबाद में भी इसी तरह की कार्य योजना लागू की गई, जिससे वहां के लोगों को बड़ी राहत मिली है। इससे पहले अपर नगर आयुक्त की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में मौसम विभाग के अतुल कुमार मिश्रा और आकाश मिश्रा ने जनवरी 2024 से मई 2025 तक प्रयागराज में तापमान ने कई बार रिकॉर्ड टूटने की जानकारी दी। इस बार मई महीने में अधिकतम तापमान 45.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि पिछले वर्ष यह 48.8 डिग्री तक पहुंचा था। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की परियोजना निदेशक डॉ. कनीज फातिमा ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार लू और गर्मी की आपदा से निपटने के लिए पूरी तरह सजग है और प्रदेश के सभी जिलों में हीट एक्शन प्लान लागू किया जा रहा है।

महिला रेलकर्मी के इकलौते पुत्र ने फांसी लगाकर दी जान

प्रयागराज। सोहबतियाबाग स्थित एक अपार्टमेंट में देर रात कमरे के अंदर रेलकर्मी के पुत्र ने फांसी लगाकर जान दे दी। दूसरे दिन बुधवार सुबह परिजनों को जानकारी हुई तो कोहराम मच गया। कमरे के अंदर कोई सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। वहीं, परिजन भी कुछ बता नहीं सके। जार्जटाउन थाने की पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। सोहबतियाबाग स्थित नारायण अपार्टमेंट निवासी 30 वर्षीय संदीप रावत उर्फ टिंकू के पिता राजकुमार का पूर्व में निधन हो चुका है। उसकी मां मृतक आश्रित के तहत रेलवे में काम करती हैं। संदीप अपने एक विवाहिता बहन में इकलौता भाई था। वह स्कूल में वाहन चलाने का काम करता था। संदीप मंगलवार की रात कमरे में सोने के लिए चला गया। दूसरे दिन बुधवार की सुबह उसकी मां ने जगाने के लिए दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजे का लॉक तोड़ा तो अंदर संदीप पंखे के सहारे फांसी के फंदे पर लटकता मिला। आननफानन उसे नीचे उतारकर समीप अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। संदीप की मौत से उसकी मां रो–रोकर बेहाल है। थाना प्रभारी संतोष सिंह ने बताया कि संदीप ने कमरा अंदर से बंद कर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिवार के सदस्य भी वजह नहीं बता सके है।

अवैध प्लॉटिंग, निर्माण रोकने, राजस्व वसूली बढ़ाने का निर्देश

प्रयागराज। प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ. अमित पाल शर्मा ने बुधवार को अवैध प्लॉटिंग, निर्माण रोकने, राजस्व वसूली बढ़ाने का निर्देश दिया। इंदिरा भवन स्थित पीडए के सभा कक्ष में जोनल अधिकारी, जूनियर इंजीनियर, बिल्डिंग इंस्पेक्टर और सुपरवाइजर के साथ मीटिंग में उपाध्यक्ष ने कड़े निर्देश दिए। उपाध्यक्ष ने स्पष्ट कहा कि अवैध प्लॉटिंग और निर्माण रोकने और राजस्व वसूली में शिथिलता बरतने वालों को निलंबित भी किया जाएगा। मीटिंग के पह ले पीडीए के सचिव ने अपने कार्यालय में लोगों की शिकायतें भी सुनीं।

एनसीसी के संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण कैंप (CATC-257) का शुभारंभ

मुजफ्फरनगर। 82 यूपी एनसीसी बटालियन मुजफ्फरनगर के तत्वावधान में राजकीय इण्टर कॉलेज में एनसीसी के दस दिवसीय (21–30 मई) संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण कैंप का शुभारंभ किया गया। बृहस्पतिवार को कैंप का शुभारंभ करते हुए कैंप कमांडेंट कर्नल प्रवीण भाल ने कहा कि एनसीसी सैन्य विभाग का ही एक अभिन्न अंग है। इससे कैडेट्स में देश एवं समाज सेवा

का जज्बा पैदा होता है। एनसीसी के ए,बी एवं सी प्रमाण–पत्र धारी कैडेट्स सेना सहित विभिन्न विभागों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने दस दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण कैंप के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरान कैडेट्स को मानचित्र अध्ययन, आपदा प्रबंधन, एनसीसी का संगठन, राष्ट्र निर्माण, हथियारों का खोलना –जोडना, वृक्षारोपण, साहसिक क्रिया –कलाप, रक्तदान का महत्व, एनसीसी का इतिहास, राष्ट्रीय एकता, ड्रिल, क्षेत्रकला एवं युद्धकला, सैक्शन फार्मेशन, सांकेतिक चिन्ह,संचार, नेतृत्व, व्यक्तित्व विकास, नागरिक सुरक्षा, प्रदूषण निवारण,स्वास्थ्य एवं सफाई आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा।इस अवसर पर डिप्टी कैंप कमांडेंट कर्नल नवीन पराशर, मेजर अरविंद कुमार, लेफ्टिनेंट नितिन कुमार, लेफ्टिनेंट नावेद अख्तर,चीफ ऑफिसर सतेन्द्र तोमर, चीफ आफिसर रमन सिंह,चीफ आफिसर विपिन कुमार, सैकिंड आफिसर वाजिद अली, फर्स्ट आफिसर जयवर्धन, सूबेदार मेजर यशपॉल सहित एनसीसी एवं सैन्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

वन दरोगा ने किसान से की 44 हजार की वसूली

–लकड़ी ले जा रहे किसान को दी जेल भेजने की धमकी, मांगे 70 हजार

शामली/सहारनपुर। शामली के गढ़ी पुख्ता थाना क्षेत्र में वन विभाग के दरोगा और उनके सहयोगी पर अवैध वसूली का मामला

सामने आया है। सहारनपुर के गांव तित्रों निवासी आकाश पुत्र धर्मवीर अपने खेत से लकड़ी कटवाकर कच्ची गढ़ी में छिदवाने ले जा रहे थे। रास्ते में वन दरोगा सत्येंद्र और फॉरेस्ट गार्ड सुशील कुमार ने उन्हें रोक लिया। दरोगा और गार्ड ने किसान को जेल भेजने की धमकी देते हुए 70 हजार रुपए की मांग की। जेल जाने के डर से आकाश ने तीन–चार घंटे में 44 हजार रुपए का इंतजाम किया। यह रकम उन्होंने शाहरुख पुत्र अरशद और इरफान पुत्र खुर्शीद की मौजूदगी में दरोगा सत्येंद्र कुमार को दी। पीड़ित ने इस मामले में कार्रवाई के लिए सहारनपुर कमिश्नर से गुहार लगाई है। साथ ही वन संरक्षक मंडल सहारनपुर को भी लिखित शिकायत दी है। पीड़ित ने अपनी शिकायत में कहा है कि उसके 44 हजार रुपए वापस दिलवाए जाएं और दरोगा सत्येंद्र व गार्ड सुशील के खिलाफ कार्रवाई की जाए। आरोपी दरोगा पर इससे पहले भी कई बार रिश्वत लेने के आरोप लग चुके हैं।

महापौर ने नगर विकास मंत्री एके शर्मा से मुलाकात, लखनऊ के विकास कार्यो पर हुई चर्चा

लखनऊ, संवाददाता। महापौर सुषमा खर्कवाल ने बृहस्पतिवार को विकास मंत्री एके शर्मा मुलाकात की । जिसमें शहर के विकास कार्यों पर चर्चा की। इस दौरान कई पार्षद भी मौजूद रहे। मुलाकात में महापौर सुषमा खर्कवाल ने सड़क निर्माण, जल निकासी, सफाई व्यवस्था, ट्रैफिक प्रबंधन, एवं हरित क्षेत्र के विस्तार जैसे विषयों पर विचार–विमर्श किया । महापौर ने यह भी बताया कि नगर निगम लखनऊ नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने हेतु लगातार प्रयासरत है और इस दिशा में राज्य सरकार का मार्गदर्शन व सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिस पर मंत्री ने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार पूरा सहयोग करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि लखनऊ को एक स्मार्ट, स्वच्छ और जनहितकारी शहर बनाने के लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा।

फर्जी मृत्यु प्रमाणपत्र बनाने वाले कर्मचारी को हटाया गया, पार्षद के जाली पैड पर खुद करता था हस्ताक्षर

लखनऊ, संवाददाता। पार्षद का फर्जी लेटर पैड और फर्जी साइन बनाकर गलत तरह से मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने वाले कार्यदायी संस्था से तैनात कर्मचारी को नगर निगम ने 21 मई को नौकरी से हटा दिया है। शुरुआती जांच में यह भी सामने आया है कि कर्मचारी ने जोनल अधिकारी और कर अधीक्षक के भी फर्जी हस्ताक्षर बनाए थे। इस मामले में आरोपी कर्मचारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराए जाने को लेकर पार्षद ने नगर आयुक्त को मांग पत्र भी दिया है। जोनल अधिकारी जोन तीन अमरजीत सिंह ने बताया कि कूटरचित दस्तावेजों के जरिए मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने वाले कार्यदायी संस्था से तैनात अरविंद को नौकरी से हटा दिया गया। महानगर वार्ड के भाजपा पार्षद हरिश्चंद्र लोधी की शिकायत के बाद जब दस्तावेजों की जांच की गई तो पता चला कि उसने जोनल अफसर और कर अधीक्षक के भी फर्जी हस्ताक्षर बनाए थे।शुरुआती जांच में सामने आया कि निर्मला शुक्ला नामक जिस महिला का मृत्यु प्रमाण पत्र महानगर सेक्टर–बी पोस्ट ऑफिस के पास स्थित घर में मौत होने के आधार पर बनाया जा रहा था, उसकी मौत पीजीआई में हुई थी। पार्षद ने बताया कि आरोपी कर्मचारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए नगर आयुक्त गौरव कुमार से मिलकर मांग की गई है। उनको पत्र भी दिया गया है। जोनल अफसर ने बताया कि मामला तब पकड़ में आया जब एसडीएम के यहां से मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने की रिपोर्ट के आधार पर प्रमाण पत्र जारी करने को लेकर कर्मचारी उनसे ओटीपी लेने आया।

महरबान हुआ मौसम बारिश ने गर्मी से दिलाई निजात

खुली जल प्रबंधन की पोल, जल भराव से तालाब बन गयी सड़कें

मोरना। बुधवार की तपती दोपहर ने जहां इंसानी जिस्म पर तपिश के कड़े प्रहार कर प्रत्येक को निढाल कर दिया तो वहीं शाम के समय बादलों ने बरस कर गर्मी से राहत दिलाने का काम किया। रिमझिम फुहारो ने शाम और रात के मौसम को खुश ग्वार बना दिया।

वहीं बारिश के कारण क्षेत्र मे सडके तालाब बन गयी, जहां से राहगीरों का गुज़रना मुश्किल हो गया।

क्षेत्र मे पड़ रही तेज गर्मी से प्रत्येक बेहाल दिखा दोपहर के समय तेज गर्मी से बचने के लिए ग्रामीण पेड़ आदि की छाँव मे डेरा जमाये रहे। तेज गर्मी से तपती सडके सुनसान नजर आई तो शाम के समय तेज़ हवा घने बादलो को खींच ले आई और बादलो ने गरज चमक के साथ रिमझिम बरसात कर गर्मी से राहत दिला दी। मोरना भोपा क्षेत्र मे हुई बारिश से ग्रामीणों को तेज गर्मी से राहत मिली वहीं गांव छछरौली मे गांव के मध्य मुख्य मार्ग ने तालाब का रूप धारण कर लिया। भारी जल भराव की समस्या से नागरिक जूझते नजर आये वहीं मोरना मे भोपा मार्ग पर भारी जल भराव हो गया ओर दुपहिया वाहनों को यहां से निकलना मुश्किल हो गया तो कस्बा भोकरहेड़ी मे वाल्मीकि बस्ती के तालाब का पानी सड़कों पर फैल गया। भोकरहेड़ी ––मोरना मार्ग व शुक्रताल मार्ग पर फैली कीचड पर कई बाईक सवार फिसलकर घायल हो गये। कस्बे के मोरना मार्ग व तीर्थ नगरी शुक्रताल जाने वाले मार्ग पर तालाब की सफाई करने वाले ठेकेदार की करतूत के कारण मार्गो पर भारी कीचड़ फैली हुई है। बारिश के बाद यह कीचड़ दुर्घटनाओं का कारण बन गया। पैदल व दो पहिया वाहन वाले राहगीर देर शाम फिसलते रहे। वहीं तीर्थ नगरी शुकतीर्थ मे भी जल भराव से नागरिक बेहाल नजर आये हैं।

मदद फाउंडेशन की मुहिम, सड़क किनारे रहने वालों को स्वच्छ पानी दिलाने के लिए महापौर को सौंपा ज्ञापन

प्रयागराज। शहर के फुटपाथों और सड़कों पर जीवन यापन करने वाले गरीब और असहाय लोगों की मदद के लिए मदद फाउंडेशन ने एक और नेक कदम उठाया है। अपनी रविवार की रसोई पहल के तहत भोजन बांटते समय संस्था ने पाया कि इन लोगों के लिए स्वच्छ पेयजल की सुविधा नहीं है जो उनकी जिंदगी को मौसमी चुनौतियों, खासकर गर्मी में और मुश्किल बना रहा है।

इस ज्वलंत मुद्दे को लेकर मदद फाउंडेशन के सदस्यों ने प्रयागराज के महापौर गणेश केशरवानी को एक ज्ञापन सौंपा। इसमें मांग की गई कि शहर के प्रमुख चौराहों और मलिन बस्तियों में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था तुरंत की जाए ताकि जरूरतमंद लोग पानी की कमी से न जूझें।

महापौर गणेश केशरवानी ने इस संवेदनशील प्रयास की सराहना की और तत्काल कार्रवाई का वादा किया। उन्होंने

जलकल विभाग को निर्देश दिए कि मदद फाउंडेशन के साथ समन्वय कर जरूरतमंद क्षेत्रों में पेयजल सुविधा को प्राथमिकता के साथ लागू किया जाए। संस्था के संस्थापक मंगला प्रसाद तिवारी ने कहा, हर व्यक्ति को स्वच्छ पानी और भोजन का अधिकार है। हमारा उद्देश्य है कि कोई भी इस बुनियादी जरूरत से वंचित न रहे। महापौर का सकारात्मक दृष्टिकोण हमें विश्वास दिलाता है कि जल्द ही इस दिशा में सकारात्मक बदलाव आएगा।

महापौर के इस आश्वासन ने शहरवासियों में उम्मीद जगा दी है कि फुटपाथ पर रहने वाले लोगों को जल्द ही स्वच्छ पेयजल की सुविधा मिलेगी। इस पहल को स्थानीय समुदाय और सामाजिक संगठनों ने खूब सराहा है इसे समाज के कमजोर वर्गों के लिए एक प्रेरक कदम माना जा रहा है।

ज्ञापन सौंपने के दौरान दिनेश तिवारी, अवधेश निषाद विवेक मिश्रा, अरविंद पांडेय अनुराग खरे यश शर्मा संतोष शुक्ला ललित श्रीवास्तव मो. फैज और अन्य समाजसेवी उपस्थित रहे। मदद फाउंडेशन का यह प्रयास न केवल फुटपाथ वासियों के लिए राहत का सबब बनेगा बल्कि सामाजिक समानता और मानवता की दिशा में एक मजबूत कदम साबित होगा।

सी.एम.पी.महाविद्यालय में टैबलेट स्मार्टफोन वितरण समारोह का सफल आयोजन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शासन के द्वारा उत्तर प्रदेश में अध्यनरत युवाओं को तकनीकी सशक्तिकरण हेतु स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत चौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय में टैबलेट/स्मार्टफोन वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय प्रवीण पटेल जी, सांसद, फूलपुर एवं अध्यक्षता चौधरी राघवेंद्र नाथ सिंह, अध्यक्ष, शासी निकाय ने किया। अतिथियों का स्वागत उप प्राचार्य प्रो. नीता सिन्हा ने किया।

मुख्य अतिथि माननीय प्रवीण पटेल जी ने अपने उद्बोधन में आज के युग में तकनीकी सशक्तिकरण के आवश्यकता पर बल दिया। अध्यक्षीय उद्बोधन में चौधरी राघवेंद्र नाथ सिंह जी ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए यह उन्हें इंटरनेट के माध्यम से जानकारी प्राप्त करने, परीक्षा की तैयारी करने और अन्य शैक्षिक गतिविधियों में मदद करता है।

नोडल अधिकारी डॉ. सत्येंद्र कुमार ने डिजी शक्ति योजना पर प्रकाश डाला।

मंच संचालन डॉ. दीप्ति विष्णु ने एवं धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे ने किया। इस अवसर पर प्रो. संजय सिंह, प्रो. अर्चना खरे के अतिरिक्त अन्य शिक्षक गण और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रदेश में आंधी-बारिश से जन-जीवन प्रभावित, 19 मौतों के बाद सीएम योगी ने जारी किए दिशा-निर्देश

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंधी–बारिश, ओलावृष्टि के दृष्टिगत सम्बन्धित जनपदों के अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर सर्वे करें तथा राहत कार्य पर नजर रखें। आकाशीय बिजली, आंधी तूफान, बारिश आदि आपदा से जनहानि और पशुहानि होने की स्थिति में तत्काल प्रभावितों को राहत राशि का वितरण करें। घायलों का समुचित उपचार कराया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि अधिकारीगण सर्वे कराकर फसल नुकसान का आकलन करते हुए आख्या शासन को भेजें, ताकि इस सम्बन्ध में आगे की कार्यवाही की जा सके। उन्होंने निर्देशित किया कि जल जमाव की स्थिति होने पर प्राथमिकता पर जल निकासी की व्यवस्था कराई जाए। पूरे प्रदेश में बुधवार को बिगड़े मौसम ने कई लोगों की जान ले ली। कई लोग आंधी में पेड़ गिरने या टिन शेड की वजह से घायल हो गए। पश्चिम यूपी में सबसे ज्यादा प्रभाव दिल्ली से सटे जिलों में रहा। आंधी–बारिश से जहां तापमान में गिरावट दर्ज की गई तो वहीं आम की फसल को नुकसान होने का अनुमान है। प्रदेश में अलग–अलग

जिलों में कुल 19 लोगों के मारे जाने की खबर है।

आज यहां बिजली गिरने का अलर्ट

प्रयागराज, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, लखनऊ, बाराबंकी, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकरनगर, सहारनपुर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर एवं आसपास के इलाकों में।

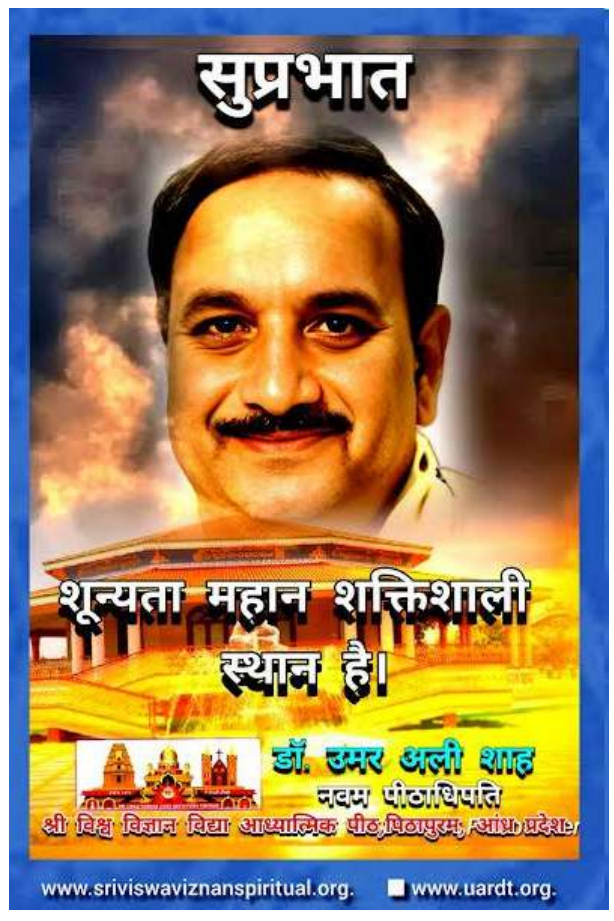

खिलता हुआ गुलाब

(कुण्डलिया)

आए हैं जब भी कभी, बीते दिन के ख्वाब।
आँगन में तुलसी दिखी, खिलता हुआ गुलाब।
खिलता हुआ गुलाब, सदा महकाता आँगन।
हरा–भरा परिवार, और खुशियों का बेहन।
सुन लो कहें प्रदीप,सवेरा हमको भाए।
ख्वाबों का संसार, हक़ीकत बनकर आए।।

आता है जब भी कभी,गुजरे पल का ध्यान।
बचपन की यादें सदा, देती हैं मुस्कान।
देती हैं मुस्कान, नहीं कुछ बोला करती।
केवल सुखमय याद,हमेशा दिल में भरती।
सुन लो कहें प्रदीप, पढ़ो बचपन का नाता।
रिश्तों का संसार, जहाँ पर खुद ही आता।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

एलयू की शोध छात्रा ने घोंघे के खून से बनाया नैनो जेल, एंटीऑक्सीडेंट का करेगा काम

लखनऊ,संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग की शोध छात्रा ने एक खास तरह का नैनो जेल तैयार किया है। यह जेल घोंघे के खून से बना है। इसका उपयोग एंटीऑक्सीडेंट के रूप में किया जा सकेगा। यह जेल घाव भरने में तो कारगर है ही, साथ ही कई तरह के बैक्टीरिया को रोकने में भी सक्षम है। प्राणि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. एम. सिराजुद्दीन ने बताया कि शोध छात्रा

संगीता ने उनके मार्गदर्शन में घोंघे के खून से नैनो जेल बनाने में सफलता प्राप्त की है। इसके नैनो जेल के परिणाम बहुत सकारात्मक मिले हैं। प्रो. सिराजुद्दीन ने बताया कि जेल की उपयोगिता को देखते हुए इसके पेटेंट के लिए भी आवेदन किया गया है। जेल बनाने के लिए शोध छात्रा संगीता ने घोंघे के खून से 0.152 माइक्रोग्राम प्राकृतिक ग्लूटामिक एसिड निकाला। इसके बाद बैक्टीरियल फर्मेंटेशन (किण्वन) के जरिए से पालीग्लूटामिक एसिड बनाया। इसमें संतरे व नींबू के छिलके से निकाले पैक्टिन को मिलाकर जेल तैयार किया गया। जेल में पैक्टिन के अलावा केमिकल एक्रिलामाइड भी मिलाया गया। शोध में नैनो जेल के विभिन्न प्रकार के बैक्टीरिया पर जीवाणुरोधी परीक्षण भी किए गए। इसमें स्यूडोमोनास एरुगिनोसा, स्टैफिलोकोकस आरियस, ई–कोलाइ और स्ट्रेप्टोकोकस म्यूटेंस बैक्टीरिया पर प्रभाव देखा गया। जेल ने एंटी बैक्टीरियल ड्रग एजिथोमाइसिन में अनुकूल अवरोध क्षेत्र प्रदर्शित किया। विशेष रूप से स्यूडोमोनास एरुगिनीसा और स्टैफिलोकोकस आरियस के खिलाफ बेहतर परिणाम रहे। शोध में एंटी बैक्टीरियल हुग एजिथोमाइसिन का प्रयोग किया गया। प्रो. सिराजुद्दीन बताते हैं कि शोध के अगले चरण में नैनो जेल का सिस्प्लैटिन (एक कीमोथेरेपी दवा) के साथ मिश्रण बनाकर कैंसर सेल पर इसके प्रभाव का अध्ययन भी किया जा रहा है। यह शोध अभी प्रारंभिक चरण में है। यदि यह सफल होता है तो कैंसर के मरीजों के उपचार में भी यह नैनो जेल बहुत लाभदायक साबित होगा।

33 हजार स्ट्रीट लाइटें खराब, जिस कंपनी पर रखरखाव का जिम्मा, 10 दिन बाद काम से हट जाएगी

लखनऊ,संवाददाता। जिस निजी कंपनी ईईएसएल पर शहर के मार्ग प्रकाश (स्ट्रीट लाइटों) के रखरखाव की जिम्मेदारी है, उसके जिम्मेदार इन दिनों आंखें मूंदे बैठे हैं। ईईएसएल का अनुबंध इसी महीने समाप्त हो जाएगा। उसके पहले कंपनी को सभी लाइटों को चालू हालत में नगर निगम को हैंडओवर करना है, लेकिन कंपनी ने अभी तक ऐसा नहीं किया है। नगर निगम ने जांच कराई तो शहर में 33 हजार लाइटें खराब और गायब हैं। अब नगर निगम ने ईईएसएल को नोटिस जारी किया है। साल 2018 में ईईएसएल ने स्ट्रीट लाइटों के रखरखाव का काम शुरू किया था। कंपनी का अनुबंध सात साल के लिए हुआ था, जो अब 31 मई को पूरा हो जाएगा। कंपनी का काम ठीक नहीं रहा, ऐसे में अनुबंध को अब आगे बढ़ाया नहीं जाना है। इस बाबत नगर निगम ने कंपनी को कई महीने पहले नोटिस जारी किया था। बाद में यह नोटिस भी दिया गया कि अनुबंध समाप्त होने से पहले वह शहर में लगी 2,09,957 लाइटों को चालू हालत में नगर निगम को हैंडओवर करे और साथ में संयुक्त सर्वे भी कराए। नोटिस के बाद भी कंपनी ने सर्वे नहीं कराया। इस पर नगर निगम मार्ग प्रकाश विभाग की टीम ने खुद सर्वे किया।

सम्पादकीय.....

ऑपरेशन असहिष्णुता

किसी भी लोकतंत्र की खूबसूरती इस बात में है कि वहां सभी तरह की वैचारिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान किया जाए। बशर्ते अभिव्यक्ति समाज में विभाजन की कारक और राष्ट्र के हितों के विरुद्ध न हो। हरियाणा में अशोका विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की सोशल मीडिया पोस्ट पर उठे विवाद के बाद की गई गिरफ्तारी ने कई सवालों को जन्म दिया है। दरअसल, प्रोफेसर अली खान ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के कुछ पहलुओं को लेकर सवाल उठाए थे। यह घटनाक्रम हमें याद दिलाता है कि देश में असहमति के विचारों को कैसे देश के विरुद्ध दर्शाया जा रहा है। हरियाणा पुलिस ने अपनी कार्रवाई के पक्ष में दलील दी है कि प्रोफेसर की टिप्पणी भारत की एकता को खतरे में डालने वाली है। निस्संदेह, यह घटना विचार और स्वतंत्र अभिव्यक्ति को संदिग्ध रूप में दर्शाने का उपक्रम नजर आता है। यह स्पष्ट है कि प्रोफेसर महमूदाबाद की आवाज कोई सतही टिप्पणी नहीं है। वे एक सम्मानित अकादमिक और सार्वजनिक विमर्श में सक्रिय रहने वाले बुद्धिजीवी हैं। जिन्हें भारत के सामाजिक और राजनीतिक ताने–बाने के साथ विचारशील जुड़ाव के लिये जाना जाता है। उनकी टिप्पणी भले ही कितनी भी आलोचनात्मक क्यों न हो, उसे राष्ट्रीय एकता के लिये खतरे के रूप में चित्रित करना एक अतिशयोक्ति ही कही जाएगी। निश्चित रूप से इस मामले में पुलिस की कार्रवाई एक ऐसी अस्वीकार्य मिसाल है, जो कालांतर लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी का अतिक्रमण ही करती है। प्राचीन काल से ही हमारे विश्वविद्यालय रचनात्मक बहस के लिये उपयुक्त स्थान के रूप में जाने जाते रहे हैं। जहां राज्य की निगरानी के जरिये हस्तक्षेप की गुंजाइश नहीं होती थी। सवाल इस घटनाक्रम के समय व संदर्भ को लेकर भी उठाए जा रहे हैं। निश्चित रूप से 'ऑपरेशन सिंदूर', एक ऐसा सैन्य अभियान था, जिसे व्यापक सार्वजनिक जनसमर्थन और मीडिया कवरेज मिली। सही मायने में एक परिपक्व लोकतंत्र में किसी भी आलोचना को सहज भाव से लिया जाना चाहिए। निस्संदेह, स्वतंत्र वैचारिक अभिव्यक्ति पर सवाल खड़े करना और उसे दंडात्मक कार्रवाई के जरिये दबाने का प्रयास अस्वीकार्य ही है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि अकादमिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आजादी किसी सत्ताधारी व्यवस्था की मर्जी से दिए गए विशेषाधिकार नहीं है, ये संवैधानिक गारंटी हैं। यह सुखद ही है कि देश की सर्वोच्च अदालत ने प्रोफेसर महमूदाबाद की याचिका पर सुनवाई करने के लिये सहमति दे दी है। जो इस मामले में एक उम्मीद की किरण कही जा सकती है। लेकिन सार्वजनिक जीवन में अपमान के बाद राहत के लिये कानून प्रवर्तन एजेंसियों से जूझना व्यक्ति के लिये कष्टदायक ही है। यह सही समय है कि हमारी संस्थाएं देशभक्ति को अंधा आज्ञाकारिता के रूप में परिभाषित न करें। सही मायनों में सच्ची देशभक्ति सवाल करने, विचार करने और यहां तक कि असहमति जताने की क्षमता में निहित है। जिसको लेकर सलाखों के पीछे डालने का भय नहीं होना चाहिए। सही मायनों में एक ट्वीट पर एक प्रोफेसर की गिरफ्तारी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा नहीं करती बल्कि यह केवल राष्ट्रीय असुरक्षा को ही उजागर करती है। यही वजह है कि देश की कई चर्चित हस्तियों व राजनेताओं ने प्रोफेसर अली के समर्थन में आवाज उठाई है। उन्होंने उन आक्षेपों को खारिज किया है जिनमें उनकी पोस्ट को महिला विरोधी और धार्मिक द्वेष फैलाने वाला बताया गया। उन्होंने सवाल उठाये हैं कि उनकी टिप्पणी कैसे देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिये चुनौती है। वे मानते हैं कि पहले मध्य प्रदेश के उस मंत्री के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए थी, जिसने वास्तव में कर्नल सोफिया के विरुद्ध नकारात्मक टिप्पणी की थी। उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई न होना कई सवालों को जन्म देता है। लेखक व कुछ प्रोफेसर हरियाणा पुलिस की तत्काल कार्रवाई पर भी सवाल उठा रहे हैं। कुछ बुद्धिजीवियों का मानना है कि असली लोकतंत्र वही होता है जहां स्वतंत्र अभिव्यक्ति के रास्ते बंद नहीं होते। बुद्धिजीवी, शिक्षा व लेखक बिरादरी के लोग अशोका यूनिवर्सिटी से आग्रह कर रहे हैं कि वह अपने प्रोफेसर को संबल दे।

वैज्ञानिक चेतना के शून्य को बढ़ा गया डा. नार्लीकर का निधन

मशहूर खगोल भौतिक विज्ञानी डॉ. जयंत विष्णु नार्लीकर का निधन हो गया। डॉ. नार्लीकर 87 साल के थे। 19 मई की रात नींद में ही उनका निधन हो गया, हाल ही में उनका एक ऑपरेशन भी हुआ था। डा. जयंत नार्लीकर के निधन को बहुत से अखबारों और चौनलों ने विज्ञान जगत की अपूरणीय क्षति बताया, लिखा कि उनके न रहने से विज्ञान की दुनिया में शोक की लहर चल पड़ी है। निस्संदेह एक अनुभवी, वरिष्ठ और बेहद अनूठे वैज्ञानिक के जाने से विज्ञान जगत में तो शून्य बन ही गया है, लेकिन असल में यह समूचे भारत के लिए शोक की घड़ी है। क्योंकि डा. नार्लीकर ऐसे कठिन समय में इस दुनिया को छोड़ कर गए हैं, जब विज्ञान और आस्था के नाम पर एक घातक मिलावट करने का सिलसिला चल निकला है। इस मिलावट को फैलाने वाले सत्ता से लेकर प्रशासन, शिक्षा, न्यायपालिका के गलियारों में फैले हुए हैं। यहां तक कि वैज्ञानिक संस्थाएं भी इसकी चपेट में आ रही है। जो भारत अपनी तर्क संस्कृति, वाद–विवाद– संवाद के लिए पूरी दुनिया में मशहूर था, वहां अब कुतर्कों की भरमार हो गई है, संवाद पूरी तरह से खत्म हो चले हैं। नयी पीढ़ी को ज्ञान–विज्ञान की चेतना विकसित करने का अवसर दिए जाने की जगह धार्मिक जुलूसों में भेड़ों की तरह हांका जा रहा है, उन्हें उन्मादी बनाया जा रहा है। धर्म के नाम पर झगड़े करवाने हों तो युवाओं की शक्ति, ऊर्जा और जोश ही सबसे अधिक काम आते हैं, इसलिए राजनैतिक दल उनका इसी हिसाब से उपयोग कर रहे हैं और ऐसे वक्त में जो तार्किक बातें करे उसे देशद्रोही कहना न्यू नॉर्मल बन गया है। धार्मिक स्थलों पर युवाओं की भीड़ है, ओटीटी प्लेटफार्म्स बेहूदी भाषा और अनावश्यक खुलेपन वाले रियलटी शो परोस रहे हैं, जिसमें प्रतिभागी और दर्शक युवा ही हैं, आईपीएल जैसे आयोजन खेलों का व्यापार कर रहे हैं, यहां भी युवा ही सबसे अधिक निशाने पर है। शिक्षा के नाम पर कोचिंग संस्थाओं का व्यापार चल रहा है और 10वीं के बाद विज्ञान विषय लेकर पढ़ने वाले छात्रों का एकमात्र ध्येय किसी भी तरह इंजीनियरिंग या मेडिकल में दाखिला लेना होता है। सरकारी संस्थानों में सीटें बेहद कम हैं और निजी संस्थाओं की लूट का कोई ठिकाना नहीं है। इन हालात में शोध और अनुसंधान के लिए गुंजाइश बेहद कम हो चली है। उसमें भी छात्र होनहार हो और उसके साथ सवर्ण हो तो आगे का रास्ता आसान होता है, वर्ना रोहित वेमुला जैसे उदाहरण हमारे सामने हैं। इतनी विडंबनाओं के जख्म पर सत्ता नमक तब छिड़कती है, जब देश के शहरों को चीन या जापान जैसा सुंदर बनाने का वादा जनता से होता है। लोगों को साफ पानी और हवा तो अब मयस्सर नहीं है और ऐसे में ख्वाब शंघाई–टोक्यो के दिखाए जाते हैं। जबकि इन देशों ने विज्ञान और तकनीकी में इतनी तरक्की कर ली है, जिसकी बराबरी करना फिलहाल संभव नहीं है। इस निराशाजनक माहौल को सुधारा जा सकता है, बशर्ते हमारे बीच जयंत विष्णु नार्लीकर जैसे वैज्ञानिक, विज्ञान शिक्षक और लेखक हों। एक वक्त में डॉ. नार्लीकर के अंग्रेजी लेखों के हिन्दी अनुवाद देशबन्धु में प्रकाशित होते थे। डा. नार्लीकर बेहद सरल भाषा में खगोल विज्ञान और जटिल वैज्ञानिक जानकारी को समझाते थे। किसी कठिन कार्य के लिए प्रचलित मुहावरा है कि यह कोई रॉकेट साइंस नहीं है, लेकिन देखा जाए तो डा. नार्लीकर ने रॉकेट साइंस को ही आसान बनाकर लोगों तक पहुंचाया था। जब आकाशवाणी और दूरदर्शन में उत्कृष्टता पर आधारित कार्यक्रम प्रसारित किए जाते थे, उस दौर में डा. नार्लीकर ने विज्ञान के तथ्यों को बहुत सरल और रोचक अंदाज में पेश किया। दूरदर्शन पर प्रसारित ब्रह्मांड नामक शो के माध्यम से नार्लीकर ने बच्चों को रॉकेट और अंतरिक्ष विज्ञान की विभिन्न घटनाओं के बारे में बताया। 80 और 90 के दशक के बच्चे अगर चांद और मंगल को लेकर उत्सुक हुए, विज्ञान में उनकी रूचि जगी या वैज्ञानिक बनने के बारे में वे सोच पाए तो इसका बड़ा श्रेय जयंत नार्लीकर को भी जाता है। जिनकी किताबों और व्याख्यानों को विज्ञान को बोझिल विषय से रोचक विषय बना दिया। वैसे तो साहित्य और विज्ञान अलग–अलग क्षेत्र माने जाते हैं। विज्ञान कथाएं लिखने वाले लोग भारतीय भाषा के साहित्य में अंगुलियों पर गिने जा सकते हैं। जयंत विष्णु नार्लीकर उन्हीं में से एक थे। डॉ. नार्लीकर की कई कहानियां लोकप्रिय हुईं। श्अंतरिक्ष में विस्फोटश और श्वायरसश नाम के दो उपन्यास उन्होंने मराठी में लिखे। अंतरिक्ष में विस्फोट में अतीत में अंतरिक्ष में घटी घटना, वर्तमान और भविष्य में धरती को बचाने का रोचक वर्णन है। इसी तररह वायरस में अंतरिक्ष के दूसरे ग्रहों से पृथ्वी के कंप्यूटर्स को खराब करने की कोशिश और वैज्ञानिकों द्वारा उसे बचाने का रोचक कथानक है। एनसीईआरटी ने 11वीं के पाठ्यक्रम में द एडवेंचरश नाम की कहानी रखी थी। डा. नार्लीकर की इस कहानी में प्रोफेसर गंगाधरपंत गायतोंडे की समय–यात्रा को बताया गया है, जिसमें वे अतीत में जाते हैं और खुद को ऐसे मुंबई शहर में पाते हैं, जो मौजूदा मुंबई से काफी अलग है। द एडवेंचर जैसे ही विषय पर हॉलीवुड में बैक टू द फ्यूचर जैसी फिल्म भी बनी है। डा.नार्लीकर की विज्ञान कथाएं कोरी फंतासी नहीं होती, बल्कि उनमें विज्ञान की परतों को तथ्यों के साथ खोलने की कोशिश दिखाई देती है। वे बताते हैं कि हमारी असलियत ही इस ब्रह्मांड का एकमात्र सच नहीं है, इसके अलावा भी अन्य कई वास्तविकताएं हैं, जिन्हें समझने की कोशिश हमें करना चाहिए। पद्म विभूषण, पद्म भूषण, महाराष्ट्र भूषण, संरा का कलिंग पुरस्कार जैसे कई सम्मान और अवार्ड डा. नार्लीकर के नाम हैं। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा लेकर 1972 में वापस भारत लौटे डा. नार्लीकल ने टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर) में खगोल विज्ञान विभाग के प्रमुख का पद संभाला। 1988 में इंटर–यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स (आयुका) संस्थान के फाउंडर डायरेक्टर बने। इसी साल यूजीसी ने डॉ. नार्लीकर को अंतर–विश्वविद्यालय खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी केंद्र के संस्थापक निदेशक की जिम्मेदारी सौंपी थी, जिस पर वे सेवानिवृत्ति तक बने रहे। फ्रेंड होयल के साथ डा. नार्लीकर ने होयल–नार्लीकर थ्योरी ऑफ ग्रैविटी विज्ञान जगत को दी, जिसकी दुनिया भर में चर्चा होती है। देश में वैज्ञानिक चेतना को बढ़ाने और खासकर बच्चों में विज्ञान के लिए रुचि पैदा करने से डा. जयंत विष्णु नार्लीकर को सही मायने में श्रद्धांजलि दी जा सकती है।

बदला युद्ध है आपरेशन सिंदूर

अरविन्द मोहन

मात्र तीन दिन चले युद्ध या सैनिक अभियान ने पारंपरिक अर्थ में निर्णायक जीत हार का फैसला नहीं किया लेकिन इसने भारत और पाकिस्तान के राजनेताओं में जीत और हार के दावे से लेकर दुनिया भर के सैन्य विशेषज्ञों के लिए आगे काम करने का काफी मसाला दे दिया है। अब टीवी की चर्चाओं और हमारे पक्ष–विपक्ष के राजनैतिक अभियानों से किसी को भ्रम हो सकता है कि हम युद्ध का तकनीक और वैज्ञानिक अध्ययन और फिर सुधार का प्रयास नहीं कर रहे हैं लेकिन ऐसा है नहीं। सबको इस सैन्य कार्रवाई में इतना साफ लगा कि लड़ाई का मैदान बदल गया है और अगर भारत ने साफ बढ़त ली या अपने उद्देश्य लगभग हासिल कर लिए तो इसलिए कि उसके पास बेहतर तकनीक वाले ड्रोन थे और उसकी क्रूज मिसाइलों का निशाना सटीक बैठा जबकि पाकिस्तान बदमाशी करते हुए सिर्फ तोप और विमानों के सहारे हमारे नागरिक ठिकानों पर बमबारी करता रहा। इस हमले को भी भारत ने तकनीक के सहारे काफी हद तक विफल किया क्योंकि हमारे एयर डिफेंस में बेहतर तकनीक वाले उपकरण थे। पाकिस्तान के ज्यादातर हमलों को हवा में ही उड़ा दिया गया। हमने उनके एयर डिफेंस सिस्टम को जैम करके उनके नौ सैनिक हवाई अड्डों को निशाना बनाया और उनकी ताकत खत्म की। ज्यादातर काम बेहद मामूली खर्च से तैयार होने वाले ड्रोन और क्रूज मिसाइलों के सहारे हुआ। इसकी वजह उनका सस्ता होना न होकर उपयोगी होना है। वे पेड़ों और पहाड़ियों के बीच इतनी काम ऊंचाई पर उड़ते हुए लक्ष्य तक जाते हैं कि दुश्मन के राडार उनको जान ही नहीं पाते। और लक्ष्य भेदकर अगर वे खत्म हो भी जाते हैं तो सेना के बजट पर कोई फरक नहीं पड़ता। नौसेना के बड़े जहाजों और पनडुब्बियों के खर्च की बात ही छोड़िए एक एक सैन्य विमान और टैंक आज इतनी कीमत में आते हैं कि हजारों ड्रोन एक जहाज की कीमत में तैयार हो जाते हैं। आज अमेरिकी एफ–35 विमान दस करोड़ डालर का है। ड्रोनो को प्रयोग में लाना ही आसान नहीं, है, इनको बनाना भी आसान और किफायती है। सबसे अच्छे माने जाने वाले दरों भी एक हजार डालर तक के खर्च पर तैयार हों जाते हैं। अगर खाड़ी युद्ध ने तीस साल पहले यह संदेश दिया कि युद्ध अब तकनीक से लड़े जाते हैं तो रूस–यूक्रेन युद्ध और आपरेशन सिंदूर के भारत– पाकिस्तान टकराव ने यह साफ कर दिया है कि भविष्य की लड़ाई में ड्रोन और क्रूज मिसाइलों का युग ही आने वाला है। बड़े विमान और मजबूत सैन्य ठिकाने भी इनकी जद में आकर बेकार साबित हो रहे हैं। यूक्रेन पचास लाख ड्रोन हर साल बना रहा है और उसी से रूस का मुकाबला कर रहा है। अब ऐसा नहीं है कि पाकिस्तान के पास हथियार न हों या उसके पास ड्रोन की तकनीक न हों या उसने एयर डिफेंस सिस्टम पर खर्च नहीं किया है। असली दिक्कत यह हुई कि उसने सस्ते चीनी उपकरण लगाए और महंगे जहाज(अमेरिका से भी) खरीदे थे। एयर डिफेंस प्रणालियों के बारे में जानकार यह कह रहे हैं कि वे हमसे एक जेनरेशन पीछे के हैं और रिवर्स तकनीक से (अर्थात फोटो कापी जैसा तैयार करना) बनाए गए हैं। चीन ने ऐसा क्यों किया या उसने सिर्फ अपने व्यावसायिक हितों की रखवाली के लिए इन्हें, लगाया था यह स्पष्ट नहीं है। हो सकता है कि पाकिस्तान में दलाली ज्यादा हों। वैसे उसके पास पैसे न होने की बात जगजाहिर है। वे एक ही झटके में फेल हुए और हमारी रक्षा प्रणाली ने उनके लगभग सारे हमलों को फेल कर दिया यह इस युद्ध की सच्चाई है। युद्ध विराम की गुहार इसी के चलते हुई और अमेरिकी दखल की मांग पाकिस्तान सदा से करता रहा है। इसलिए युद्ध विराम को लेकर हमारे नेतृत्व को जितनी सफाई देनी है उससे ज्यादा पाकिस्तान और अमेरिका को देनी चाहिए। पाकिस्तान में सरकार, आतंकवादी और सेना का मतलब एक ही है, यह बात साफ जाहिर हो जाना आपरेशन सिंदूर से सामने आया दूसरा सच है। फौजी अधिकारी मारे गए आतंकियों के जनाजे में शामिल हुए। सारे बड़े आतंकियों को, जिनमें कुछ संयुक्त राष्ट्र द्वारा चिह्नित भी हैं, पाकिस्तान सरकार और फौज ने छुपा लिया। भारत में यह राजनैतिक मुद्दा बना हुआ है कि कार्रवाई के पहले पाकिस्तान को सूचित करने से उसे आतंकियों को छुपाने का अवसर मिल गया। यह राजनैतिक लड़ाई का मुद्दा हो सकता है लेकिन यह बात तो कोई भी समझ सकता था कि पहलगाम नरसंहार के भारत घुसकर मारेगा ही। मामला सिर्फ समय का था कि ऐक्शन में कितना समय लगेगा। यह आपदा में अवसर बनकर आया था। आतंकी इस हत्याकांड से सरकार को जो संदेश देना चाहते थे वह सरकार ने लिया लेकिन वह जो हिन्दू–मुसलमान और कश्मीरी गैर कश्मीरी का बंटवारा चाहते थे, हमारे मुल्क के लोगों ने उसका करारा जबाब दिया। कई मायनों में यह फौजी जवाब से भी ज्यादा मजबूत और बड़ा था। सिर्फ पक्ष और विपक्ष ही एकजुट नहीं हुए, अगर कभी नरेंद्र मोदी का सरकता कार्टून कांग्रेस ने दिया तो उसे लोगों की प्रतिक्रिया देखकर वापस लेना पड़ा। भाजपा समर्थक यह पोस्ट सोशल मीडिया पर ढंग से चला नहीं कि वापस लेना पड़ा जिसमें कहा गया था कि आतंकियों ने धर्म पूछा था जाति नहीं। अब आपरेशन सिंदूर की एक नायिका सोफिया कुरैशी को लेकर मध्य प्रदेश के एक मंत्री का बयान उनके साथ ही पार्टी के जान को आफत में डाले हुए है और अदालत काफी लानत मलामत कर रहा है। दूसरी ओर देश भर में रैलियों के जरिए जीत का जश्न मनाना, विदेश में प्रतिनिधिमंडल भेजकर भारत के पोजीशन को स्पष्ट करना और रेल टिकट तक पर विज्ञापन या मुफ्त का लाइन डालकर आपरेशन सिंदूर को राजनैतिक रूप से भुनाने की तैयारी चल रही है। विपक्ष भी हमलावर है। अगर भाजपा के लोगों को युद्ध के बाद लगातार जीत मिलने का रिकार्ड दिख रहा है तो कांग्रेस को बासठ के युद्ध के बाद नेहरू के प्रताप में गिरावट का प्रसंग याद आ रहा है। ये दोनों बातें सही हैं पर याद रखना होगा कि आपरेशन सिंदूर बासठ का युद्ध नहीं है। क्या पहलगाम का बदला हों गया, क्या आतंकी ठिकाने नष्ट होने से आतंकवाद मिट गया जैसे? सवाल का जवाब देना आसान नहीं है। पर सबसे मुश्किल सवाल है कि युद्धविराम क्यों और कैसे हुआ? द्विपक्षीय संधि होते हुए अमेरिका बीच में क्यों और कैसे आया? लेकिन इस सवालों की राजनीति के बीच सेना के बुनियादी सवाल को बिसारना नहीं होगा कि लड़ाई बदल गई है। इस अनुभव के आधार पर हमें तेजी से बदलाव करना होगा जो बहुत महंगा भले न हों पर मेहनत, शोध और विकास की मांग जरूर करता है।

काश भाजपा जनसंघ जैसी ही बनी रहती!

अनिल जैन

करीब पांच दशक पहले यानी आपातकाल के बाद पांच दलों के विलय से बनी जनता पार्टी का प्रयोग हालांकि ज्यादा समय तक नहीं चल पाया था लेकिन केंद्र सहित कई राज्यों में बनी जनता पार्टी की सरकारों ने कुछ काम बहुत अच्छे किए थे। मसलन, संवैधानिक प्रावधानों का सहारा लेकर देश पर तानाशाही थोपे जाने की राह को जनता पार्टी की केंद्र सरकार ने बहुत दुर्गम बना दिया था, नागरिकों के मौलिक अधिकार बहाल किए थे, कार्यपालिका की शक्तियां सीमित कर न्यायपालिका की आजादी सुनिश्चित की थी और भारत रत्न व पद्म अलंकरण जैसे सरकारी सम्मानों की बंदरबाट बंद कर दी थी। इसी तरह, राज्यों में बनी जनता पार्टी की सरकारों ने भी कुछ काम बहुत अच्छे किए थे, जो आज भी याद किए जाते हैं। इस सिलसिले में मध्य प्रदेश से जुड़े एक वाकये का जिक्र करना इस समय प्रासंगिक है। आपातकाल से पहले तक मध्य प्रदेश में विधानसभा का ग्रीष्मकालीन सत्र पचमढ़ी में हुआ करता था। यह स्पष्ट रूप से एक सामंती व्यवस्था थी और जनता के पैसे का दुरुपयोग भी। इस व्यवस्था को 1977 में जनता पार्टी की सरकार ने खत्म कर दिया था। उस सरकार के मुख्यमंत्री कैलाश जोशी थे, जो जनता पार्टी में शामिल जनसंघ घटक के नेता थे। उन्होंने अपनी कैबिनेट की पहली ही मीटिंग में फैसला कराया था कि अब से विधानसभा का ग्रीष्मकालीन सत्र पचमढ़ी के बजाय भोपाल में ही हुआ करेगा। चूंकि कैलाश जोशी बेहद भले और ईमानदार व्यक्ति थे, इसलिए जनता पार्टी में उनके ही घटक यानी जनसंघ के एक गुट ने शुरू दिन से उनके खिलाफ साजिश रचनी शुरू कर दी थी, जो कि कुछ महीनों बाद सफल भी हो गई। कैलाश जोशी को एक अज्ञात बीमारी का शिकार बता कर मुख्यमंत्री पद से हटा दिया गया। बहरहाल इस किस्से का जिक्र इसलिए कि कैलाश जोशी तो अब इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन मध्य प्रदेश में सरकार उनकी ही पार्टी की है, मगर सरकार चला रहे लोगों और कैलाश जोशी जैसे नेताओं के चाल, चरित्र और चेहरे में जमीन–आसमान का फर्क है। अब प्रदेश में जनता के पैसे का बेरहमी से दुरुपयोग करते हुए नित नए ऐसे–ऐसे नाटक किए जा रहे हैं, जिनका जनता के हितों से कोई सरोकार नहीं है। बड़े शहरों से लेकर छोटे–छोटे गांव–कस्बों तक के नाम बदलकर धार्मिक प्रतीकों के आधार पर उनके नए नाम रखे जा रहे हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव पर नाम बदलने की खब्त इस कदर सवार है कि उन्होंने कुछ दिनों पहले अपने गृह नगर उज्जैन में स्थित विक्रम विश्वविद्यालय का नाम बदल कर सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय कर दिया। सब जानते हैं कि नाम बदलने के इस उपक्रम के चलते सरकारी खजाने का लाखों–करोड़ों रुपया खर्च होता है। धार्मिक पर्वों और उत्सवों को भी सरकारी स्तर पर मनाया जा रहा है, जिस पर सरकारी खजाने के करोड़ों रुपये फूंके जा रहे हैं। ऐसे तमाशे सिर्फ मध्य प्रदेश में ही नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी चल रहे हैं, जहां भाजपा की सरकारें हैं। मप्र में तो यह स्थिति तब है जब राज्य पर देश के कुल कर्ज का पांच फीसदी से ज्यादा कर्ज है। देश पर इस समय करीब 95 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है, जिसमें मध्य प्रदेश का कर्ज करीब पांच लाख करोड़ रुपये है। इस आर्थिक बदहाली के चलते राज्य सरकार की कई कल्याणकारी योजनाएं ठप हैं और राज्य सरकार को अपना काम चलाने के लिए हर तीन महीने में पांच हजार करोड़ रुपये का कर्ज लेने पड़ रहे हैं। पैसा फूंक तमाशा देख के सिलसिले में अलग–अलग मौकों पर कैबिनेट यानी राज्य मंत्रिमंडल की बैठकों का आयोजन राजधानी भोपाल में न करते हुए प्रदेश के अलग–अलग स्थानों पर समारोहपूर्वक करना भी ऐसे ही तमाशों में से एक है। इस सिलसिले में 20 मई को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक पूरे राजसी तामझाम के साथ इंदौर में होलकर शासकों के महल राजबाड़ा में हुई। बैठक के लिए राजबाड़ा के दरबार हॉल की ठीक उसी अंदाज में सजावट की गई जैसे होल्कर शासकों का दरबार लगता था। पूरे राजबाड़ा की नए सिरे से रंगाई–पुताई कराई गई और उसे बिजली के रंग–बिरंगे लट्टुओं से सजाया गया। राजबाड़ा के बाहर मीडिया और आम लोगों यानी भाजपा कार्यकर्ताओं के बैठने के लिए बड़े–बड़े वातानुकूलित पांडाल बनाए गए। यह सब इंतजाम करने के लिए कैबिनेट की बैठक के दो दिन पहले से राजबाड़ा के आसपास के सभी मार्गों पर वाहनों की आवाजाही बंद कर दी गई, जिससे पूरे शहर में अफरा–तफरी का माहौल बना रहा। राजबाड़ा के आसपास का पूरा इलाका व्यावसायिक क्षेत्र है, लेकिन वाहनों की आवाजाही बंद होने से कारोबारी गतिविधियां पूरी तरह ठप रहीं। इससे पहले उज्जैन, महेश्वर, सिंग्रामपुर (दमोह), जबलपुर आदि शहरों में भी कैबिनेट की बैठकें हो चुकी हैं और वहां भी यही सब कुछ हुआ था। अब कैबिनेट की अगली बैठक अगले महीने की 3 तारीख को पचमढ़ी में होगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे ऐसे और संभावित स्थानों को चिन्हित करें जहां कैबिनेट की बैठकें हो सकें। राजधानी से बाहर होने वाली इन बैठकों के लिए हफ्तों पहले से तैयारियां शुरू होती हैं, जिनमें जिले का पूरा प्रशासनिक अमला बाकी सारे काम छोड़कर जुटता है। जिस स्थान पर बैठक होनी होती है, उसे और उसके आसपास के इलाके को सजाने–संवारने, मुख्यमंत्री, मंत्रियों व राज्य के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के ठहरने की व्यवस्था आदि पर करोड़ों रुपयों का खर्च होता है। कैबिनेट की बैठक इंदौर में आयोजित करने के बारे में जो संदर्भ बताया गया वह भी बेहद हास्यास्पद है। बताया गया कि अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के अवसर पर उन्हें सम्मान देने और उनके व्यक्तित्व व कृतित्व से प्रेरणा लेने के लिए इंदौर में कैबिनेट की बैठक रखी गई। दरअसल इंदौर से अहिल्याबाई के नाम को जोड़ने की यह कोशिश नई नहीं है। इंदौर के जनजीवन में भी जब कुछ अच्छा–बुरा होता है तो लोग भावुकता, मूर्खता या पाखंडवश अहिल्याबाई होलकर को याद करने लगते हैं। कुछ अच्छा हो तो कहा जाने लगता है श्अहिल्याबाई का शहर गौरवान्वित हुआश। कुछ बुरा हो तो कहा जाता है कि श्अहिल्याबाई का शहर कलंकित हुआश। जबकि ऐतिहासिक तथ्य यह है कि इंदौर से अहिल्याबाई का कभी कोई संबंध रहा ही नही। इंदौर को अहिल्याबाई का शहर बताने और मानने वालों को न तो इंदौर के इतिहास की जानकारी है और न ही होलकर रियासत की। अहिल्याबाई के बारे में भी ये लोग कुछ नहीं जानते। दरअसल जब मंशा ही इतिहास को तोड़ने–मरोड़ने और उसे अपनी राजनीतिक सुविधा के मुताबिक पेश करने की हो तो सच्चाई जानने की जरूरत भी कहां रह जाती है! नर्मदा घाटी मार्ग पर स्थित इंदौर शहर को 310 साल पहले यानी 1715 में स्थानीय (कम्पेल गांव के) जमींदारों ने व्यापारिक केंद्र के रूप में बसाया था।

मजे के नाम पर उसे..., कनिका कपूर ने पार्टी में उड़ाया उर्वशी रौतेला का मजाक, वीडियो देख भड़के यूजर्स

बॉलीवुड एक्ट्रेस और मॉडल उर्वशी रौतेला हमेशा ही अपने किसी न किसी बयान को लेकर खबरों में बनी रहती हैं। बीते दिनों उर्वशी कान फिल्म फेस्टिवल में अपनी ड्रेस को लेकर काफी सुर्खियों में रहीं। कान के रेड कारपेट पर उर्वशी फटी ड्रेस पहनकर पहुंची थीं, जिसकी वजह से उन्हें काफी ट्रोल किया गया। वहीं, अब उनका एक नया वीडियो सामने आया है, जिसमें उनके साथ सिंगर कनिका कपूर, ओरी और कई अन्य लोग उर्वशी के साथ नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में उर्वशी के साथ कनिका जिस तरह से बात कर रही हैं उसे देख यूजर्स काफी नाराज दिख रहे हैं। ये वीडियो काफी चर्चा में बना हुआ है।

उर्वशी रौतेला का वायरल हो रहा वीडियो एक पार्टी के दौरान का है। इस वीडियो में सिंगर कनिका कपूर उर्वशी से जिस तरह बात कर रही हैं, उसे देखकर यूजर्स को लग रहा है कि वो उन्हें इनडायरेक्टली ट्रोल कर रही हैं। वीडियो में आप देख सकते हैं कि कनिका, उर्वशी को कहती हैं, ष्भारत की पहली माननीय महिलाष्। ये बात कनिका पार्टी में सभी लोगों के सामने कहती हैं। सिंगर की ये बात सुनकर उर्वशी काफी असहज दिख रही हैं, क्योंकि ओरी और अन्य लोग ये सुनकर जोर–जोर से चिल्लाने लगते हैं।

कनिका कपूर यहीं पर ही नहीं रुकती हैं। वो उर्वशी से उनकी फिल्म डाकू महाराज का गाना डाबिडी डिबिडी गाने के लिए कहा। उर्वशी ने न चाहते हुए भी कनिका की बात को मनाकर ये गाना गाया। इस गाने को सुनकर भी वहां मौजूद लोग हूटिंग करते दिख।वहीं, वीडियो में गाना गाने के लिए उर्वशी को कनिका से माइक लेने की कोशिश करते हुए भी देखा गया, लेकिन वो माइक नहीं ले सकीं।

> “
> कनिका कपूर यहीं पर ही नहीं रुकती हैं। वो उर्वशी से उनकी फिल्म डाकू महाराज का गाना डाबिडी डिबिडी गाने के लिए कहा। उर्वशी ने न चाहते हुए भी कनिका की बात को मनाकर ये गाना गाया। इस गाने को सुनकर भी वहां मौजूद लोग हूटिंग करते दिख।वहीं, वीडियो में गाना गाने के लिए उर्वशी को कनिका से माइक लेने की कोशिश करते हुए भी देखा गया, लेकिन वो माइक नहीं ले सकीं।

इस वीडियो के सामने आते ही यूजर्स कनिका कपूर और बाकी लोगों पर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं।वहीं, नेटिजेंस ने उर्वशी की भावना की सराहना की। एक यूजर ने वीडियो कमेंट करते हुए लिखा, यह सीधे तौर पर बुलिंग है। मुझे उसके लिए बुरा लग रहा है। जबकि एक अन्य ने लिखा, ष्वे मजे के नाम पर उसे धमका रहे हैं और उसका मजाक उड़ा रहे हैं...यह अच्छा नहीं है। ऐसे कई और कमेंट्स इस वीडियो पर आ रहे हैं।

रणदीप हुड्डा बनेंगे 'ऑपरेशन खुकरी' के हीरो, मिले इस ऐतिहासिक युद्ध आधारित फिल्म के राइट्स

जाट' की जबरदस्त सफलता के बाद, रणदीप हुड्डा अब एक और बड़ी और रोमांचक फिल्म में नजर आएंगे। यह फिल्म भारतीय सेना के एक बेहद साहसी शांति मिशन 'ऑपरेशन खुकरी' पर आधारित होगी, जो 2000 में अफ्रीकी देश सिएरा लियोन में अंजाम दिया गया था। इस फिल्म में रणदीप हुड्डा भारतीय सेना के मेजर जनरल राज पाल पुनिया (उस समय 14वीं मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री के यंग कंपनी कमांडर) का किरदार निभाएंगे, जिन्होंने अपने 233 जवानों को 75 दिनों की घेराबंदी के बाद दुश्मनों से छुड़ाया था। यह मिशन जंगलों में भारी लड़ाई के बीच सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया था। यह फिल्म पेंग्विन रैंडम हाउस इंडिया की बेस्टसेलर किताब ऑपरेशन खुकरी द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ द इंडियन आर्म्स ब्रेवेस्ट पीसकीपिंग मिशन अब्रॉडष पर आधारित है, जिसके आधिकारिक फिल्म राइट्स राहुल मित्रा फिल्म्स और रणदीप हुड्डा फिल्म्स ने हासिल कर लिए हैं। इस प्रोजेक्ट पर बात करते हुए रणदीप ने कहा, ऑपरेशन खुकरी की कहानी ने मुझे बहुत गहराई से छुआ है। यह सिर्फ युद्ध या हथियारों की कहानी नहीं है, बल्कि बलिदान, भाईचारे और हिम्मत की कहानी है। एक ऐसे अफ्रीकी देश में, जहां हमारे सैनिकों को 75 दिनों तक घेराबंदी में रखा गया, वहां से उन्हें सुरक्षित निकालना किसी चमत्कार से कम नहीं था। मेजर जनरल पुनिया जैसे योद्धा का किरदार निभाना मेरे लिए गर्व और जिम्मेदारी की बात है। रणदीप आगे कहते है, हमारी कोशिश है कि इस अद्भुत मिशन की कहानी को बड़े पर्दे पर उसी जोश और सम्मान के साथ दिखाया जाए, जैसी यह असल जिंदगी में थी। यह कहानी हर भारतीय को प्रेरणा देगी। यह मिशन शांति बनाए रखने के लिए शुरू हुआ था, लेकिन समय के साथ यह एक बड़े संघर्ष में बदल गया। 75 दिन तक दुश्मनों से घिरे रहकर बिना किसी सप्लाई के डटे रहना भारतीय जवानों की वीरता का प्रतीक है। यह ऑपरेशन भारतीय सैन्य इतिहास के सबसे सफल अभियानों में गिना जाता है।

आमिर खान स्टारर सितारे जमीन पर के पहले गाने गुड फार नथिंग की रिलीज डेट हुई तय

आमिर खान की अगली फिल्म सितारे जमीन पर को लेकर एक्साइटमेंट अब अपने पीक पर है। 2007 की क्लासिक तारे जमीन पर की स्पिरिचुअल सीक्वल मानी जा रही ये फिल्म रिलीज के करीब आते ही जबरदस्त चर्चा में है। ट्रेलर रिलीज के बाद से ही हर जगह बस इसी फिल्म की बातें हो रही हैं, लोग बेसब्री से एक और इमोशनल जर्नी पर निकलने को तैयार हैं। एक्साइटमेंट को और बढ़ा रहा है फिल्म में नजर आने वाले 10 नए चेहरे, ये यंग डेब्यूटेंट्स पहले ही दर्शकों का दिल जीत चुके हैं। सितारे जमीन पर एक इमोशनल और इंस्पायरिंग जर्नी का वादा करती है। इस बढ़ती चर्चा के बीच सूत्रों के मुताबिक मेकर्स अब फिल्म का पहला गाना रिलीज करने वाले हैं, जिससे क्रेज और भी ज्यादा बढ़ गया है। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने खुलासा किया, "सितारे जमीन पर का पहला गाना गुड फॉर नथिंग 22 मई को रिलीज होने जा रहा है। इसे शंकर महादेवन और अमिताभ भट्टाचार्य ने गाया है, जिसमें नील मुखर्जी ने गिटार और शेल्डन डीशसिल्वा ने बेस बजाया है।" गाने को लेकर म्यूजिक लवर्स में अभी से जबरदस्त उत्सुकता देखने को मिल रही है। सितारे जमीन पर का ट्रेलर एक इमोशनल रिडेम्पशन स्टोरी की झलक दिखाता है। कहानी एक पूर्व बास्केटबॉल कोच की है, जो कानूनी मुसीबतों में फंसने के बाद कोर्ट के आदेश पर ऐसे बच्चों की टीम को ट्रेन करता है जिन्हें समाज मिसफिट्स मानता है। ये जर्नी इमोशन्स, ह्यूमर, ग्रोथ और सेकंड चांसेज से भरी हुई है। आमिर खान प्रोडक्शंस गर्व के साथ पेश करता है 10 राइजिंग सितारे अरूष दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, सम्वित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहानी, ऋषभ जैन, नमन मिश्रा और सिमरन मंगेशकर। आर. एस. प्रसन्ना द्वारा निर्देशित, जिन्होंने पहले बैरियर तोड़ने वाली ब्लॉकबस्टर शुभ मंगल सावधान बनाई थी, अब आमिर खान प्रोडक्शंस के साथ सितारे जमीन पर में सबसे बड़े कोलैबरेशन के साथ वापसी कर रहे हैं। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी सितारे जमीन पर में आमिर खान और जेनेलिया देशमुख लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म के गाने अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं और म्यूजिक शंकर–एहसान–लॉय ने दिया है। इसका स्क्रीनप्ले दिव्य निधि शर्मा ने लिखा है। इस फिल्म को आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने रवि भागचंदका के साथ प्रोड्यूस किया है। आर. एस. प्रसन्ना के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म 20 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के लिए नियम जरूरी, ज्योति मल्होत्रा की गिरफ्तारी पर बोलीं स्नेहिल मेहरा

स्नेहिल मेहरा ने समाचार एजेंसी से विशेष बातचीत में कहा कि अगर ज्योति दोषी पाई जाती है, तो उसे अपने देश के साथ विश्वासघात करने के लिए कड़ी सजा मिलनी चाहिए। एक्ट्रेस ने कहा कि पहले तो उन्हें यह अविश्वसनीय लगा, किसी बॉलीवुड फिल्म की कहानी की तरह। लेकिन, अगर भारतीय सेना ने उन पर इतने गंभीर आरोप लगाए हैं, तो इसमें कुछ सच्चाई जरूर होगी। अगर जांच के बाद ये आरोप सच निकलते हैं, तो यह वाकई शर्मनाक है। जिस देश में आप रहते हैं, जिस देश के लोगों ने आपको सेलिब्रिटी बनाया है, अगर आप उस देश के खिलाफ

काम करते हैं, तो इसे देशद्रोह माना जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर वह दोषी साबित होती हैं, तो उन्हें कड़ी सजा मिलनी चाहिए। जब उनसे पूछा गया कि क्या सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को बहुत ज्यादा आजादी दी गई है, तो उन्होंने कहा, मैं फिल्म इंडस्ट्री से हूं और मेरे अनुभव के अनुसार, हम कहीं भी शूटिंग नहीं कर सकते। अगर आपको किसी धार्मिक स्थान जैसे महाकुंभ या सैन्य क्षेत्र के पास फिल्म शूट करनी हो, तो इसके लिए उचित अनुमति लेनी पड़ती है। उसी तरह, मेरा मानना है कि इन्फ्लुएंसर्स पर भी कुछ नियम लागू होने चाहिए, क्योंकि आज हर किसी के हाथ में स्मार्टफोन होने से सभी इन्फ्लुएंसर बन गए हैं। उन्होंने कहा कि जब इन इन्फ्लुएंसर्स को अनुमतियों की आवश्यकता होगी, तो वे ऐसी चीजें नहीं कर पाएंगे। फिल्मों में सेंसरशिप की तरह, सोशल मीडिया की दुनिया में भी कुछ नियम और कानून होने चाहिए। उन्होंने ऐसी घटनाओं के लिए जवाबदेही तय करने पर भी जोर दिया। उल्लेखनीय है कि हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को हाल ही में पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। 16 मई को ट्रैवल विद जो नामक यूट्यूब चौनल चलाने वाली ज्योति को हिरासत में लिया गया था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए), खुफिया ब्यूरो (आईबी) और सैन्य खुफिया अधिकारी उससे पूछताछ करेंगे।

पेरेंट्स से मिलने के बाद एक्टर ने खत्म किए सारे रिश्ते!

बी–टाउन के गलियारों में बीते दिनों से एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी और दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा के अफेयर्स के चर्चे थे। चारों तरफ दोनों के रिश्तों को लेकर बातें हो रही थीं। हालांकि अब इस पर मुहर तो लगी है लेकिन एक चौंकाने वाला अपडेट सामने आया है। बताया जा रहा है कि इनका प्यार पनपने के पहले ही खत्म हो गया। जी हां, कपल का ब्रेकअप हो गया। एक रिपोर्ट के मुताबिक कपल के एक करीबी सोर्स ने बताया–हाल ही में इनका ब्रेकअप हुआ है। सिद्धांत ने ही इसे खत्म करने का फैसला किया था। दोनों ने तो एक–दूसरे के परिवार तक से मुलाकात कर ली थी। हालांकि इनके ब्रेकअप की क्या वजह है, ये मालूम नहीं हो सकी मगर परिवार से मिलने के बाद ये खबर सामने आई है जिस कारण अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगा। इससे पहले सिद्धांत चतुर्वेदी का नांम अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा के साथ जुड़ा था। दोनों को कई बार साथ में स्पॉट भी किया गया है। लेकिन पिछले साल ही दोनों अलग हो गए थे। वहीं सारा तेंदुलकर का नाम पहले क्रिकेटर शुभमन गिल से भी जुड़ा था। लेकिन भारतीय बल्लेबाज ने इसे अफवाह बताया था और कहा था कि वह अपने प्रोफेशनल करियर पर ध्यान दे रहे हैं और किसी को डेट नहीं कर रहे हैं।

पाइनएप्पल खाने के शौकीन लोग संभलकर करें इसका सेवन, होते हैं ये साइड इफेक्ट

पाइनएप्पल का ज्यूसी फ्लेवर बच्चों से लेकर बड़ों तक को काफी पसंद होता है। गर्मियों में तो कई लोग इस पीले फल का मजा लेने के लिए इसे अपने जूस, सलाद या फिर रायते में डालकर खाते हैं। पाइनएप्पल में मौजूद विटामिन सी, मैंगनीज और डाइजेस्टिव एंजाइम जैसे पोषक तत्व उसे सेहत के लिए बेहद फायदेमंद बनाते हैं। सेहत के लिए इतना फायदेमंद होने के बावजूद क्या आप जानते हैं जरूरत से ज्यादा पाइनएप्प्पल खाने से आपको इसके फायदे नहीं बल्कि नुकसान उठाने पड़ सकते हैं। आइए जानते हैं जरूरत से ज्यादा पाइनएप्पल खाने से सेहत को होते हैं क्या नुकसान।

ज्यादा पाइनएप्पल खाने से होने वाले नुकसान–

डायबिटीज–

पाइनएप्पल प्राकृतिक रूप से बहुत मीठा फल है। जिसमें नेचुरल शुगर की मात्रा बहुत ज्यादा पाई जाती है। पाइनएप्पल में ग्लूकोज और सुक्रोज की मात्रा ज्यादा होने की वजह से इसका ज्यादा सेवन शरीर में ब्लड शुगर का लेवल तेजी से बढ़ सकता है।

ब्लीडिंग–

पाइनएप्पल के जूस में एंजाइम ब्रोमेलैन मौजूद होता है। अगर आप खून पतला करने वाली दवाओं का सेवन कर रहे हैं तो ब्लीडिंग की संभावना को तेज कर सकता है। यही वजह है कि प्रेगनेंसी के दौरान प्रेगनेंट महिलाओं को पाइनएप्पल खाने के लिए मना किया जाता है।

एलर्जी–

अनानास में मीट टेंडराइजिंग गुण मौजूद होते हैं। जो किसी भी व्यक्ति में एलर्जिक रिएक्शन को ट्रिगर कर सकते हैं। इसका जरूरत से ज्यादा सेवन करने पर कुछ लोगों में एलर्जी की प्रतिक्रिया हो सकती है।

दांत दर्द–

अनानास दांतों के लिए नुकासनदायक हो सकता है। इसका ज्यादा सेवन दांतों में संवेदनशीलता और सड़न की समस्या को पैदा कर सकता है। दरअसल, पाइनएप्ल में मौजूद एसिड कंटेट की वजह से मसूड़े और दांतों का इनेमल खराब होने के साथ व्यक्ति को बलगम और गले की खराश की समस्या भी परेशान कर सकती है।

पाचन–

पाइनएप्ल में विटामिन सी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। इसका जरूरत से ज्यादा सेवन पेट से जुड़ी समस्याएं, जी मिचलाना, डायरिया, उल्टी, पेट में दर्द, सीने में जलन जैसी दिक्कतें पैदा हो सकती है। यही वजह है कि इस फल को खाली पेट खाने की सलाह नहीं दी जाती है।

झटपट बनाएं सूजी और आलू से टेस्टी ब्रेड रोल, बच्चों को खूब पसंद आएगा स्वाद

शाम की चाय के साथ अक्सर कुछ स्पेशल खाने की डिमांड होती है। लेकिन ब्रेड और मैदे की चीजें हेल्थ को नुकसान करती हैं। ऐसे में कुछ हेल्दी और टेस्टी बनाना जरूरी होता है। अगर

आपके बच्चे कुछ फ्राईड खाने की डिमांड करते हैं तो उन्हें सूजी से बने ब्रेड रोल बनाकर खिलाएं। इसे बनाने में ज्यादा वक्त भी नहीं लगेगा और टेस्टी ब्रेड रोल बनकर तैयार हो जाएंगे।

सूजी के ब्रेड रोल बनाने की सामग्री

2 उबले आलू
1 प्याज
3 हरी मिर्ची
1 चम्मच नमक
हल्दी पाउडर
भुना जीरा आधा चम्मच
लाल मिर्च पाउडर
1 चम्मच धनिया पाउडर
आधा चम्मच चाट मसाला
एक चौथाई अजवाइन
धनिया की पत्ती
काली मिर्च पाउडर

सूजी का आटा कैसे तैयार करें

दो कप पानी
1 कप सूजी
एक चम्मच तेल
एक चुटकी नमक
कश्मीरी लाल मिर्च
हल्दी पाउडर

सूजी के ब्रेड रोल बनाने की विधि

सबसे पहले सूजी का आटा तैयार कर लें। इसके लिए किसी पैन में पानी गर्म करें और उसमे हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, नमक डालें। साथ में सूजी डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें और तेज आंच पर पानी को सुखा दें। जब पानी सूख जाए और आटे की कंस्सीटेंसी आ जाए तो गैस बंद कर दें और ठंडा हो जाने दें। आलू की फिलिंग बनाने के लिए उबले आलू को मैश कर इसमे बारीक कटा प्याज और हरी मिर्ची डालें। साथ में अजवाइन, धनिया की पत्ती, काली मिर्च, चाट मसाला, भुना जीरा और नमक डालकर मिक्स करें। अब सूजी के आटे को हाथों में तेल लगाकर अच्छी तरह से मसलकर गूंथ लें।

कैसे बनाएं ब्रेड रोल

किसी छोटी कटोरी में सूजी के आटे को भरकर क्वांटिटी फिक्स कर लें। अब हाथों पर पानी लगाकर हथेलियों की मदद से चपटा करें। बीच में आलू की फिलिंग को रखकर इसे बंद करें। और हथेलियों से ब्रेड रोल का आकार दें। बस इसी तरह से सारे ब्रेड रोल तैयार कर लें। कड़ाही में तेल गर्म करें और सुनहरा होने तक तलें। बस रेडी है सूजी के टेस्टी ब्रेड रोल, इन्हें हरी चटनी या सॉस के साथ सर्व करें।

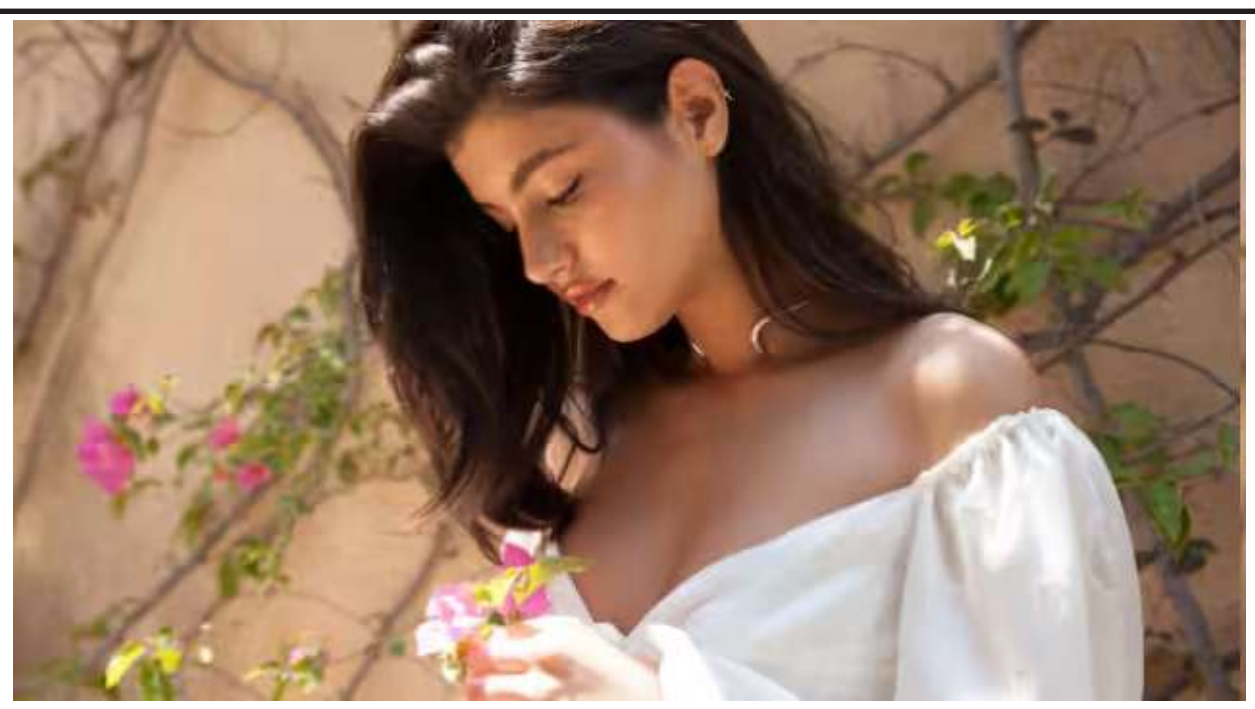

तेज धूप से कलर किए बालों का रंग उड़ने लगा तो इन टिप्स को फॉलो करें, लंबा टिकेगा हेयर कलर

तेज धूप से सेहत के साथ ही सुंदरता बचाने की भी जरूरत होती है। स्किन पर टैनिंग का असर हो रहा है तो उसे दूर करना जरूरी है। वहीं बालों का भी पूरा ख्याल रखें। खासतौर पर कलर किए बालों को धूप से बचाने की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। नहीं तो बालों पर लगा कलर जल्दी ही फीका पड़ जाता है। जो दिखने में खराब लगता है। साथ ही बाल रूखे और बेजान होने लगते हैं। ऐसे में बालों में अगर हेयर कलर इस्तेमाल करते हैं तो धूप में निकलने से पहले कुछ खास बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

सबसे जरूरी है कैप या स्कार्फ

आजकल ज्यादातर लोग सफेद बालों को छुपाने के साथ ही स्टाइल के लिए भी बालों में कलर करवाते हैं। ऐसे में उनकी ज्यादा देखभाल करनी पड़ती है। बालों में कलर लगा है तो धूप में निकलते समय कैप या स्कार्फ जरूर लगाएं। ये ना केवल बालों को धूप से बचाएगा बल्कि इससे आप डायरेक्ट सिर को धूप से बचाकर हीट स्ट्रोक जैसे खतरे को भी कम कर पाएंगे। तेज धूप के सीधे संपर्क में आने से बालों का रंग जल्दी–जल्दी फीका पड़ने लगता है।

कलर फ्रेंडली हो प्रोडक्ट

बालों में कलर करवाते हैं तो हमेशा शैंपू से लेकर कंडीशनर तक यूवी रेज प्रोटेक्शन वाले जरूर यूज करें। साथ ही ख्याल रखें कि ये प्रोडक्ट हेयर कलर फ्रेंडली हो। जिससे बालों का कलर मेंटेन रहे और रूखे–बेजान बाल ना हो। शैंपू हमेशा सल्फेट फ्री हो तो ही अच्छा है।

तेल की मसाज करना ना भूलें

हेयर कलर प्रोटेक्शन के लिए कंडीशनर और सीरम जैसे प्रोडक्ट भले ही यूज कर रही हों। लेकिन सप्ताह में एक या दो बार तेल की मसाज करना ना भूलें। जैतून के तेल की रात को मसाज सप्ताह में दो बार करने से बालों में नमी बनी रहेगी और बाल ड्राई नहीं होंगे और जड़ों को मजबूती मिलेगी।

बालों पर लगाएं यूवी रेज प्रोटेक्शन वाले लीव इन कंडीशनर

मार्केट में आजकल यूवी रेज प्रोटेक्शन वाले लीव इन कंडीशनर आ रहे हैं। इन्हें बालों पर लगाने से एक बैरियर बन जाता है जो सीधे धूप की किरणों से बचाने का काम करता है। साथ ही घर आने के बाद बालों को ठंडे पानी से जरूर धोएं। जिससे कि ये कंडीशनर निकल जाए और किसी तरह का केमिकल बालों को डैमेज ना कर सके।

बच्चों की सेहत को जबरदस्त नुकसान पहुंचाती हैं हेल्थ ड्रिंक में मिली ये चीजें

बच्चों को हेल्दी रखने के लिए दूध पीना जरूरी रहता है। ऐसे में पैरेंट्स बच्चों को दूध पिलाने के लिए उसे टेस्टी बनाने की कोशिश करते हैं और मार्केट में मिलने वाले हेल्थ ड्रिंक या पाउडर को देते हैं। बच्चों के लिए एनर्जी ड्रिंक भी काफी ज्यादा मात्रा में चल गए हैं। जिसे पीने से उनके पानी की कमी और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याओं को दूर करने का दावा किया जाता है। जिन्हें पीने से बच्चों की सेहत को फायदा होने के बजाय नुकसान हो रहा है। इन एनर्जी और हेल्थ ड्रिंक में मिली ये 4 चीजें बच्चों की सेहत के लिए नुकसानदेह हैं।

शुगर

बच्चों में थकान दूर करने और एक्टिव बनाने के लिए मार्केट में एनर्जी ड्रिंक मिलते हैं। जिन्हें पीने से बच्चा भले ही एक्टिव नजर आए। लेकिन दूसरी बड़ी बीमारियां जरूर घेर लेती हैं। इन हेल्थ ड्रिंक में शुगर की अच्छी खासी मात्रा होती है। जिससे बच्चों में मोटापा, दांतों में सड़न, नींद की कमी जैसी शिकायत होने लगती है। एनर्जी ड्रिंक में पड़ी शुगर टेस्ट को तो बढ़ा देती है। लेकिन स्टडी में सामने आया है कि बच्चों को ज्यादा मात्रा में चीनी खिलाने से बच्चों में सीखने–समझने और याद रखने की क्षमता पर निगेटिव

असर पड़ता है।

हाई फ्रक्टोज कॉर्न सीरप

कई सारी हेल्थ ड्रिंक में हाई फ्रक्टोज कॉर्न सीरप मिली होती है। जिसे ज्यादा मात्रा में खाने से हेल्थ प्रॉब्लम होने लगती है। साधारण तौर पर कार्बोहाइड्रेट फूड जैसे चावल खाने से शरीर को ग्लूकोज मिलता है। जो पूरे शरीर में आसानी से सेल्स के जरिए पहुंच जाता है। लेकिन जब हाई फ्रक्टोज कॉर्न सीरप बच्चों को खिलाते हैं तो ये फ्यूल बनकर एनर्जी बनने से पहले फैट बनकर लीवर में जमा होना शुरू हो जाता है।

सोडियम

कई सारे हेल्थ ड्रिंक और हेल्दी फूड्स में सोडियम की अच्छी खासी मात्रा होती है। पैकेज्ड फूड में सोडियम काफी ज्यादा मात्रा में होते हैं। जिन्हें खाने से बच्चों को मोटापे के साथ ही तनाव और हाई बीपी जैसी समस्या होने लगती है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक 8–17 साल की उम्र के बच्चों में सोडियम की ज्यादा मात्रा बीपी को हाई कर रही है। जिससे हार्ट डिसीज होने का भी खतरा बना रहता है।

कैफीन

शरीर को एक्टिव रखने वाले एनर्जी ड्रिंक में कैफीन की मात्रा रहती है। जो कि हाई ब्लड प्रेशर और नींद ना आने की समस्या को बढ़ा रही है। बच्चे इस तरह की ड्रिंक को पीने की वजह से मूड स्विंग और तनाव जैसी समस्या से जूझने लगते हैं। कैफीन वाले पेय पदार्थ बच्चों में सिरदर्द की समस्या को भी पैदा कर रहे हैं।

प्रेग्नेंसी में महिलाओं को क्यों लगती है ज्यादा गर्मी, इस गर्मी कैसे रखें खुद को कूल

गर्भावस्था का टाइम महिलाओं के लिए बिल्कुल अलग होता है। इस दौरान शरीर में काफी सारे बदलाव होते हैं। जिसकी वजह से उन्हें हर दिन नए अनुभवों से होकर गुजरना पड़ता है। इन्हीं फिजिकल एक्सपीरिएंस में शामिल है गर्मी लगना।

दरअसल, महिलाओं को प्रेग्नेंसी के दौरान सामान्य दिनों की तुलना में ज्यादा गर्मी लगती है। ऐसे में इन दिनों चल रही लू और तपती गर्मी के दिनों में वो क्या करें कि खुद को कूल रख सकें और आखिर इतनी ज्यादा गर्मी लगने की वजह क्या है। क्योंकि जरूरत से ज्यादा लगने वाली गर्मी यानी हॉट फ्लैशेज की वजह से महिलाओं में प्री टर्म डिलीवरी की दिक्कत हो जाती है। वहीं बच्चे का वजन भी काफी कम हो जाता है और सेहत को नुकसान होता है।

प्रेग्नेंसी में सामान्य से ज्यादा गर्मी लगने की ये वजहें हैं जिम्मेदार

–प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं के शरीर में खून की मात्रा बढ़ जाती है। जिससे खून की नसें फैल कर सतह तक आ जाती है। जिसकी वजह से गर्मी ज्यादा लगती है।

–वहीं एस्ट्रोजन नाम के हार्मोंस में उतार–चढ़ाव की वजह से गर्भवती महिलाओं को सामान्य महिला की तुलना में ज्यादा गर्मी लगती है।

–गर्भवती महिलाओं को तीसरी तिमाही में गर्मी लगने की समस्या ज्यादा बढ़ जाती है। इसका कारण है मेटाबॉलिज्म रेट बढ़ जाता है। जिससे शरीर का तापमान बढ़ने लगता है और गर्मी लगती है।

–बहुत सारी महिलाओं में पानी कम पीने की वजह से भी हॉट फ्लैशेज की समस्या होने लगती है।

–तीसरी तिमाही में बच्चे की वजह से वजन तेजी से बढ़ता है ऐसे में गर्मी भी ज्यादा लगती है।

प्रेग्नेंसी में इस तरह से गर्मी के असर को कम करें

–शरीर में पानी की कमी ना होने दें। पानी ज्यादा मात्रा में लें।

–साथ ही लिक्वड जैसे नारियल पानी, लस्सी, छाछ, ताजे फलों का जूस पिएं। ये शरीर को हाइड्रेटेड रखने में मदद करेगा, जिससे शरीर का तापमान नॉर्मल होने में मदद मिलेगी।

–प्रेग्नेंसी में आमतौर पर चाय और कॉफी से दूर रहने की सलाह दी जाती है। गर्मियों में खासतौर पर इस बात का ध यान रखें।

–तनाव और स्ट्रेस को बिल्कुल भी ना होने दें। दिमाग को शांत रखने के लिए मेडिटेशन करें। इससे शरीर का तापमान सामान्य होने में मदद मिलेगी।

–गर्मी के दिनों में प्रेग्नेंट महिलाओं का बीपी भी बढ़ सकता है। ऐसे में बीपी समय–समय पर चेक करवाते रहें। जिससे कि गर्मी ज्यादा लगने का कारण पता चलता रहे और उसे दूर किया जा सके।

–हमेशा ढीले और सूती कपड़े पहनने की कोशिश करें। जिससे बॉडी का टेंपरेचर ना बढ़े।

–खुली और ठंडी जगह पर बैठें। गर्म जगहों पर सीधे धूप में जाने से बचें।

–अगर ज्यादा गर्मी लग रही है तो कपड़े को ठंडे पानी में भिगोकर हाथों–पैरों और शरीर के बाकी हिस्से को पोछें। इससे भी गर्मी से राहत मिलेगी।

संक्षिप्त

श्रीकांत का शानदार प्रदर्शन जारी, मलयेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

कुआलालंपुर। भारत के अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने गुरुवार को मलेशिया मास्टर्स के दूसरे दौर के मैच में आयरलैंड के एनहाट गुयेन को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। श्रीकांत ने दुनिया के 33वें नंबर के खिलाड़ी गुयेन के खिलाफ 59 मिनट तक चले मुकाबले में 23–21, 21–17 से जीत हासिल की। श्रीकांत अंतिम आठ मुकाबले में फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव से भिड़ेंगे। पोपोव ने दूसरे दौर के मैच में एक अन्य भारतीय आयुष शेट्टी को 21–13, 21–17 से हराकर बाहर कर दिया। वहीं, सतीश करुणाकरण भी बाहर हो गए। उन्हें टोमा के भाई और युगल जोड़ीदार क्रिस्टो पोपोव से 14–21, 16–21 से पराजय मिली। युगल स्पर्धा में तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला ने फ्रांस के ली पालेर्मो और जूलियन मैयो की जोड़ी के खिलाफ 21–17, 18–21, 21–15 से जीत के साथ मिश्रित स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अब उनका मुकाबला चीन के जियांग जेन बैंग और वेई या शिन की जोड़ी से होगा।

मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराकर टोटेनहम ने जीता यूरोपा लीग खिताब, ट्रॉफी का सूखा खत्म किया

बिलबाओ। टोटेनहम ने बुधवार को मैनचेस्टर यूनाइटेड को 1–0 से हराकर यूरोपा लीग फाइनल जीता और चार दशक से अधिक समय में अपनी पहली यूरोपीय ट्रॉफी हासिल की। इस तरह टोटेनहम का खिताब का सूखा आखिरकार खत्म हो गया। 2008 में इंग्लिश लीग कप जीतने के बाद टोटेनहम का पहला बड़ा खिताब है और 1984 में अपना दूसरा यूएफा कप जीतने के बाद यूरोपीय लीग में पहली जीत है। टोटेनहम के लिए ब्रेनन जॉनसन ने पहले हाफ के अंत में विजयी गोल दागकर जीत सुनिश्चित की। जॉनसन ने कहा, श्इस क्लब ने 17 साल से कोई ट्रॉफी नहीं जीती है। यह ट्रॉफी बहुत मायने रखती है। टोटेनहम एक अच्छी टीम है, लेकिन कभी भी जीत नहीं पाती। हमने जीत हासिल की। इस खिताब से टीम को अगले सत्र की चौंपियंस लीग में जगह मिलने की गारंटी मिली। टोटेनहम ने यूरोपा लीग में अपना अभियान 10 जीत, तीन ड्रॉ और दो हार से खत्म किया।

एनएसई की सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 11 वर्षों में छह गुना बढ़ा, बाजार पर ये बोले एनएसई प्रमुख

नई दिल्ली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण लगभग छह गुना बढ़ गया है। एनएसई के एमडी और सीईओ आशीष कुमार चौहान ने 16वें कैपिटल मार्केट कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़ा है। चौहान ने बताया कि अमेरिका, चीन (हांगकांग सहित) और जापान के बाद भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा इक्विटी बाजार है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की ताकत और विकास को दर्शाता है। उन्होंने यह भी बताया कि 1994 में एनएसई का संचालन शुरू हुआ। इसके बाद से, देश का बाजार पूंजीकरण 120 गुना से अधिक बढ़ गया है। वर्तमान में, बाजार पूंजीकरण लगभग 440 लाख करोड़ रुपये है, जो लगभग 5.1 ट्रिलियन डॉलर है। अधिक जानकारी देते हुए चौहान ने कहा कि पिछले दशक में बाजार पूंजीकरण और जीडीपी का अनुपात दोगुना से भी अधिक हो गया है। यह वित्त वर्ष 2014 में 60 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 124 प्रतिशत हो गया है। यह वृद्धि महत्वपूर्ण है, खासकर यह देखते हुए कि 2,500 से 20,000 डॉलर के बीच प्रति व्यक्ति आय वाले किसी भी अन्य देश का बाजार आकार भारत जितना बड़ा नहीं है। उन्होंने कहा कि भारतीय इक्विटी का बाजार पूंजीकरण अब बैंकिंग क्षेत्र के आकार से लगभग 1.6 गुना बड़ा है। इससे पता चलता है कि पूंजी बाजार देश की आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति मजबूत हो रही है। उम्मीद है कि जापान को पीछे छोड़कर भारत 2025 के अंत तक दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारत ने 13वें स्थान से शुरुआत की थी और वर्तमान में हम 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। चौहान ने कहा कि यह वृद्धि संरचनात्मक है और अस्थायी नहीं है। यह मजबूत घरेलू खपत, अर्थव्यवस्था के औपचारिकीकरण, व्यापक डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और सिर्फ 28 वर्ष की औसत आयु वाली युवा आबादी द्वारा संचालित है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भारत ने पहले ही यूनाइटेड किंगडम के साथ एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और संयुक्त राज्य अमेरिका सहित अन्य देशों के साथ इसी तरह के सौदों पर काम कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार, भारत 2027 तक 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर जाएगा और 2028 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

ट्रम्प प्रशासन महत्वपूर्ण खनिजों के समुद्र तल से खनन के लिए पट्टे बेचने पर करेगा विचार, विरोधी भड़के

नई दिल्ली। अमेरिका समोआ के दक्षिण प्रशांत द्वीप के समुद्र तल से खनिज निकालने के लिए पट्टे बेचने पर विचार कर रहा है। ट्रंप प्रशासन ने यह मंशा बुधवार को जाहिर की। गहरे समुद्र में खनन की अनुमति देने के लिए उद्योग जगह की ओर से किए जा रहे व्यापक प्रयास की दिशा में लिया जाने वाल यह संभावित पहला कदम है। वहीं, पर्यावरणविद सरकार के इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इससे समुद्र की पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) को अपूरणीय क्षति हो सकती है। ट्रंप सरकार के आंतरिक विभाग ने कहा कि वह कैलिफोर्निया स्थित कंपनी इम्पॉसिबल मेटल्स के अप्रैल में भेजे गए वाणिज्यिक नीलामी के अनुरोध पर विचार कर रहा है। कंपनी निकेल, कोबाल्ट और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों के भंडार के लिए समुद्र तल से खनन करना चाहती है। पिछले महीने, राष्ट्रपति ट्रम्प ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसमें राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय प्रशासन को अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय जल में समुद्री तल पर खनन करने वाली कंपनियों के लिए परमिट को तेजी से ट्रैक करने का निर्देश दिया गया यह कदम चीन के साथ टैरिफ ट्रम्प प्रशासन के व्यापार युद्ध के बीच उठाया गया है।

आईपीएल डेब्यू के चार साल के अंदर सुदर्शन ने दो बार 500+ रन बनाए

विराट कोहली को इसमें लगे थे छह साल

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में प्लेऑफ की चार टीमें तय हो चुकी हैं। गुजरात टाइटंस, रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस ने अंतिम–चार में जगह बना ली है। पिछले चार सत्रों में एक टीम ने निरंतर अच्छा प्रदर्शन किया है और वह टीम है गुजरात टाइटंस। टीम पिछले चार सीजन में तीसरी बार प्लेऑफ में पहुंची है। इससे पहले 2022 में टीम चौंपियन रही थी और 2023 में रनर अप रही थी। इस साल भी गुजरात का प्रदर्शन शानदार रहा है और फिलहाल अंक तालिका में शीर्ष पर है। गुजरात के प्रदर्शन के अलावा एक और चीज जो निरंतर रही है, वह है साई सुदर्शन का बल्ला चलना। सुदर्शन इस सीजन गजब का प्रदर्शन किया है और 600 से ज्यादा रन बना चुके हैं। उन्होंने 2022 में आईपीएल डेब्यू किया था और तब से चार सीजन में दो बार 500 से ज्यादा रन बना चुके हैं। विराट कोहली मौजूदा समय में भारत और आईपीएल के सबसे दिग्गज बल्लेबाज माने जाते हैं। हालांकि, कोहली को भी दो बार आईपीएल में 500 का आंकड़ा पार करने में छह साल लग गए थे।

साई सुदर्शन आने वाले समय के स्टार बल्लेबाज

सुदर्शन ने साल 2022 में पांच मैच खेले थे और 36.25 की औसत और 127.19 के स्ट्राइक रेट से 145 रन बनाए हैं। इसमें एक अर्धशतक शामिल है। इसके बाद साल 2023 में सुदर्शन ने आठ मैचों में 51.71 की औसत से 362 रन बनाए थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 141.41 का रहा था। इसमें तीन अर्धशतक शामिल है। वहीं, साल 2024 में सुदर्शन ने 12 मैचों में 47.91 की औसत और 141.29 के स्ट्राइक रेट से 527 रन बनाए थे। इसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। इस सीजन अब तक वह 12 मैचों में 56.09 की औसत और 157 के स्ट्राइक रेट से 617 रन बना चुके हैं। इसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल है। अभी यह सीजन खत्म नहीं हुआ है और गुजरात की टीम प्लेऑफ में पहुंच चुकी है। ऐसे में सुदर्शन के पास इस आंकड़े को और आगे ले जाने का मौका है।

सुदर्शन का चारों सीजन में औसत 40 के आसपास या इससे ऊपर का रहा है। इतना ही नहीं वह घरेलू क्रिकेट में भी खूब रन बना रहे हैं। यही वजह है कि उनका इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में चुना जाना लगभग तय माना जा रहा है। सुदर्शन ने अब तक आईपीएल में 37 मैचों में 50.03 की औसत और 145.33 के स्ट्राइक रेट से अभी तक 1651' रन बनाए हैं। इसमें दो शतक और 11 अर्धशतक शामिल है। इसकी तुलना कोहली के शुरुआती चार सीजन से करें तो उन्होंने 61 मैचों में 1275 रन बनाए थे। इस दौरान उनका औसत करीब 27 का रहा था। इसमें छह अर्धशतक शामिल हैं। हम कोहली से इसकी तुलना इसलिए कर रहे हैं क्योंकि वह इस लीग के और इस प्रारूप के महानतम बल्लेबाजों में से एक हैं।

कोहली ने 2016 में लगाया था पहला आईपीएल शतक

वहीं, कोहली ने साल 2008 में आईपीएल डेब्यू किया था। अपने पहले सीजन में उन्होंने 13 मैचों में 15 की औसत और 105.09 के स्ट्राइक रेट से 165 रन बनाए थे। साल 2009 में कोहली ने 16 मैच खेले और 22.36 की औसत से 246 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 112.32 का रहा था। कोहली का पहला अर्धशतक इसी सीजन आया था। इसके बाद 2010 में उन्होंने 16 मैचों में 27.90 की औसत और 144.81 के स्ट्राइक रेट से 307 रन बनाए। इसमें एक अर्धशतक शामिल है। साल 2011 में पहली बार कोहली ने 500 से ज्यादा रन बनाए।

उन्होंने तब 16 मैचों में 46.41 की औसत और 121.08 के स्ट्राइक रेट से 557 रन बनाए थे। इसमें चार अर्धशतक शामिल है। कोहली ने साल 2012 में 16 मैचों में 28 की औसत और 111.65 के स्ट्राइक रेट से 364 रन बनाए। इसमें दो अर्धशतक शामिल है। साल 2013 में दूसरी बार कोहली ने 500 रन बनाए। तब उन्होंने 16 मैचों में 45.28 की औसत से 634 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 138.73 का रहा था। इसमें छह अर्धशतक शामिल है। कोहली को आईपीएल में पहले शतक के लिए 2016 तक इंतजार करना पड़ा था। उस सीजन उन्होंने चार शतक जड़ दिए थे।

सुदर्शन में दिखता है दमखम

कोहली के आईपीएल आंकड़े की बात करें तो उन्होंने अब तक 263 मैचों में 39.58 की औसत और 132.60 के स्ट्राइक रेट से 8509 रन बनाए हैं। इसमें आठ शतक और 62 अर्धशतक शामिल हैं। कोहली 18 सत्रों से एक ही टीम के लिए खेल रहे हैं और वह ऐसा करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी हैं। सुदर्शन भी पिछले चार सत्रों से एक ही टीम के लिए खेल रहे हैं। सुदर्शन के लिए फिलहाल कोहली की भरपाई करना बेहद मुश्किल है, लेकिन इस बल्लेबाज में दम दिखता है और कई पूर्व क्रिकेटर इस बल्लेबाज की तारीफ कर चुके हैं। बिना रिस्क लिए और कोहली की तरह सटीक क्रिकेटिंग शॉट्स से रन बटोरने में यह बाएं हाथ का बल्लेबाज माहिर है और आगे चलकर उनमें एक बड़ा बल्लेबाज बनने की पूरी क्षमता दिखती है। सुदर्शन को आगामी इंग्लैंड दौरे पर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम में चुना जा सकता है।

इंडसइंड बैंक के अधिकारियों की ओर से की गई गंभीर गलतियों की जांच हो रही है, बोले सेबी प्रमुख

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी इंडसइंड बैंक के वरिष्ठ प्रबंधन की ओर से किसी भी गंभीर उल्लंघन की जांच कर रहा है। इंडसइंड बैंक लेखा से जुड़ी धोखाधड़ी से प्रभावित है। बैंक के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने गुरुवार को यह बात कही।

पांडे ने कहा कि इंडसइंड बैंक के मुद्दों से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) निपटेगा, लेकिन सेबी संकटग्रस्त बैंक के अधिकारियों द्वारा प्रतिभूति बाजार के उल्लंघन की भी जांच कर रहा है। पांडे ने उद्योग मंडल एसोचौम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के अवसर पर संवाददाताओं से कहा, श्आरबीआई इस संबंध में सेबी द्वारा की जाने वाली कार्रवाई पर गौर कर रहा है... सेबी का जो भी अधिकार क्षेत्र है... सेबी कर रहा है... यदि किसी के द्वारा कोई गंभीर उल्लंघन किया गया है, तो सेबी उसकी जांच कर रहा है।ष

बुधवार को इंडसइंड बैंक के बोर्ड ने कहा कि उसे धोखाधड़ी में कुछ कर्मचारियों की संलिप्तता का संदेह है।

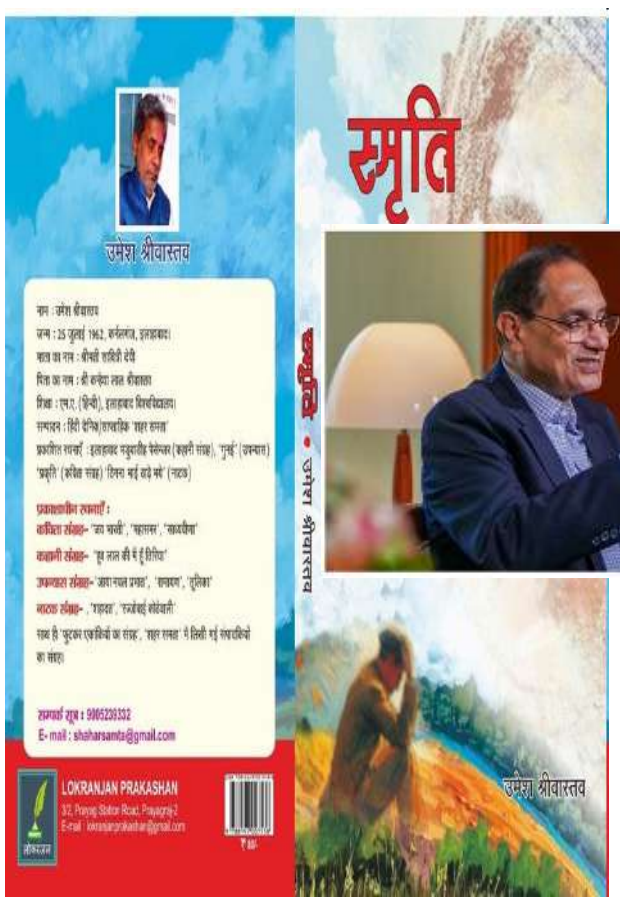

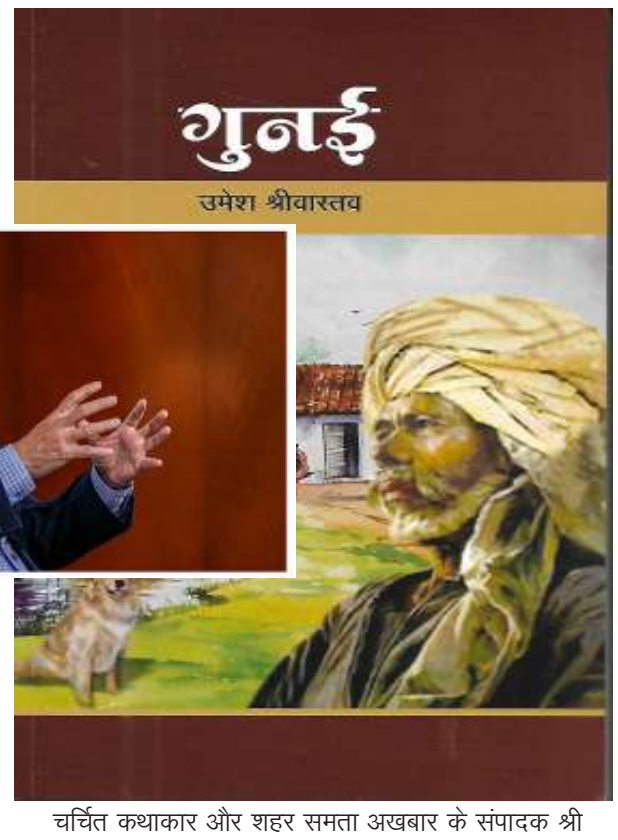

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

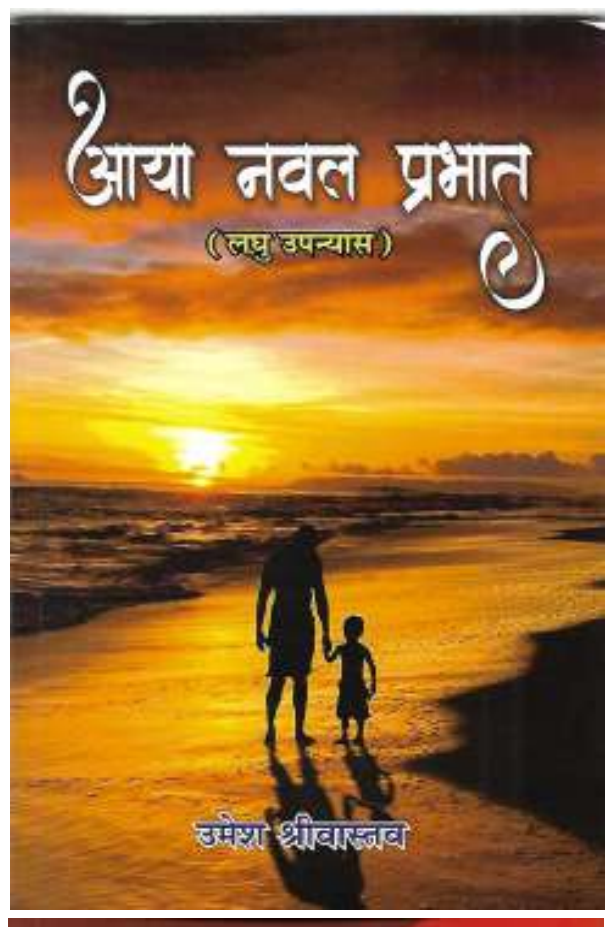

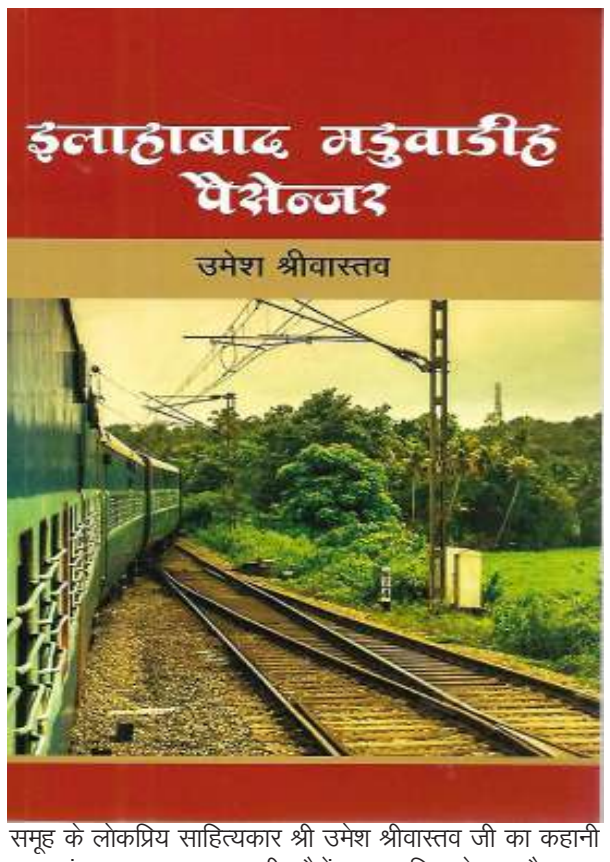

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

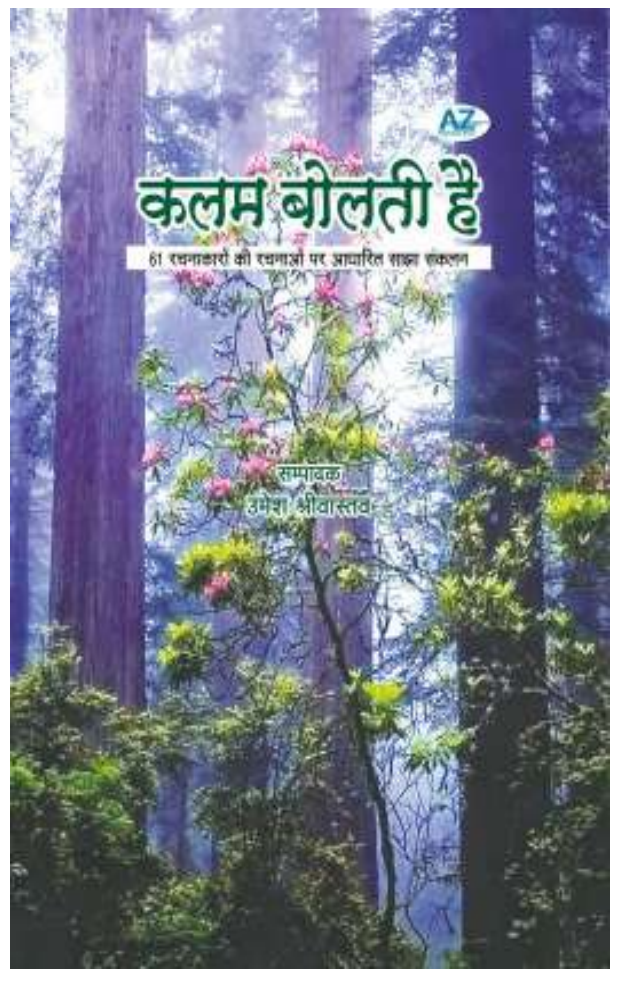

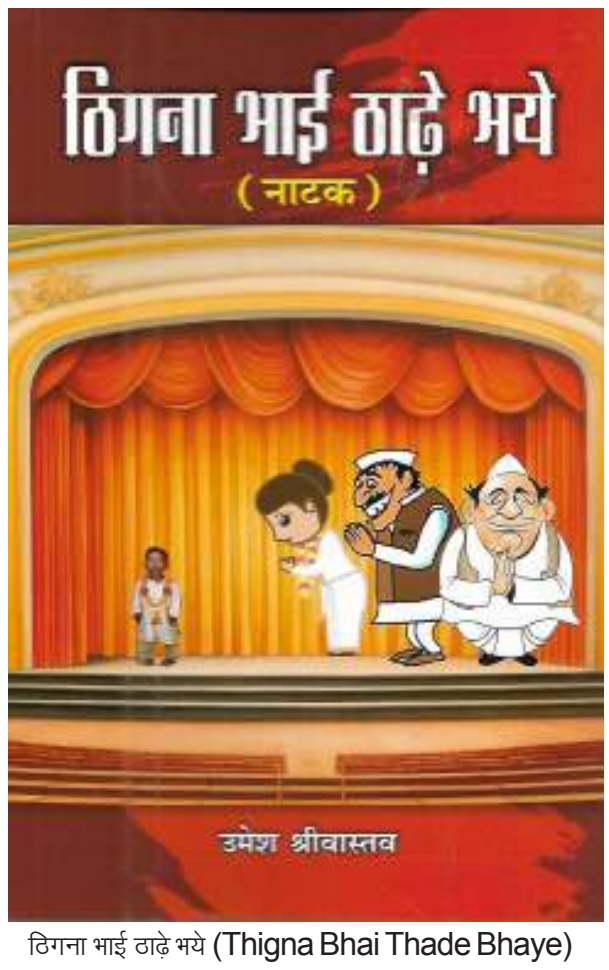

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

194 देशों के सामने सीना तानकर बोला भारत- आतंक को बढ़ावा दिया तो पाकिस्तान को फिर ठोकेंगे

पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय बेइज्जती एक बार फिर भारत के द्वारा कर दी गई है। पाकिस्तान लगातार भारत के खिलाफ प्रोपोगैंडा कर रहा है। ऐसे में डब्ल्यूएचओ के मंच से ऐसा ही पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ झूठा प्रचार करने की कोशिश की। लेकिन भारत ने पाकिस्तान के आतंकवाद का सच पूरी दुनिया के सामने लाकर रख दिया। भारतीय राजनयिक अनुपमा सिंह ने पाकिस्तान पर सीधा हमला बोलते हुए पाकिस्तान के जिहादी आतंकवाद की पोल खोल कर रख दी है। भारत ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) में पाकिस्तान को कड़ा जवाब देते हुए आतंकवाद को बढ़ावा देने में उसकी भूमिका को उजागर किया है। जिनेवा में डब्ल्यूएचओ मुख्यालय में बोलते हुए भारतीय राजनयिक अनुपमा सिंह ने भारत के जवाब के अधिकार का इस्तेमाल करते हुए पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की और कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद को जन्म देता है, वह इसका शिकार होने का दिखावा नहीं कर सकता।

उन्होंने आगे कहा कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आतंकवाद के प्रायोजक और आयोजक पाकिस्तानी धरती से काम करते हैं। जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जो सटीक, आनुपातिक था और पाकिस्तान के अंदर आतंकी ढांचे पर केंद्रित था। भारत की सहनशीलता प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि हमने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए कि उनके नागरिकों को न तो निशाना बनाया जाए और न ही उन्हें नुकसान पहुंचाया जाए। बल्कि, केवल पाकिस्तान द्वारा प्रशिक्षित आतंकवादियों और उनके जाने–माने ठिकानों को ही निशाना बनाया जाए।

पाकिस्तान सिंधु जल संधि के बारे में भी अपनी झूठी कहानी जारी रखते हुए इस मुद्दे को उलझाने की कोशिश कर रहा है। अपने रुख को मजबूत करते हुए उन्होंने कहा कि आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला देश इसके पीड़ितों का भेस नहीं बना सकता। अनुपमा सिंह के बयान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। आपको बता दें कि अनुपमा सिंह नौ साल से ज्यादा समय से भारतीय विदेश सेवा में राजनयिक के तौर पर काम कर रही हैं। आईएफएस में शामिल होने से पहले, उन्होंने 2012 से 2014 के बीच केपीएमजी में काम किया, जहाँ उन्होंने सलाहकार के तौर पर शुरुआत की और बाद में वरिष्ठ सलाहकार की भूमिका में पहुँचीं। उन्होंने 2014 में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में प्रशासन में अपना प्रशिक्षण पूरा किया। सिंह ने 2008 से 2011 तक कॉर्पोरेट वित्त, मूल्यांकन और पोर्टफोलियो प्रबंधन में विशेषज्ञता के साथ सीएफए कार्यक्रम भी किया।

पाकिस्तान लगातार ऑपरेशन सिंदूर के बाद अपने आप को विक्टिम दिखाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन अब भारत जैसे पाकिस्तान को घेर रहा है और जिस तरह की तस्वीरें सामने आ रही हैं। जो सच पूरी दुनिया एक एक कर जान रही है। उसने पाकिस्तान को पूरी तरह से एक्सपोज करके रख दिया है। ऐसे में डब्लूएचओ के मंच पर भी पाकिस्तान भारत के हाथों घेरा गया और बुरी तरह मार खाता दिखा।

मुहम्मद सिनवार को भी इजरायल ने ठोक दिया ? अब हमास को संभालने वाला कोई नहीं बचा!

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान संकेत दिया कि इजराइल ने शायद हमास नेता मुहम्मद सिनवार को मार दिया है। यरुशलम में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान नेतन्याहू ने दावा किया कि गाजा में 20 बंधक अभी भी जीवित हैं। जबकि 38 तक मारे गए हैं और जनता को आश्वासन दिया कि वह सभी को वापस लाएंगे। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, नेतन्याहू ने आगे कहा कि इजराइल ने गाजा में अपने सैन्य उद्देश्यों के लिए एक सुव्यवस्थित योजना बनाई है, तथा इस बात पर बल दिया कि यह संघर्ष एक विशिष्ट और उचित उद्देश्य की पूर्ति करता है। सीएनएन ने नेतन्याहू के हवाले से कहा कि हमने हजारों आतंकवादियों को खत्म कर दिया। हमने हत्यारों के नेताओं देइफ, हनियेह, याह्या सिनवार और संभवतः मोहम्मद सिनवार को भी खत्म कर दिया।

इस सप्ताह की शुरुआत में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में इजरायल के हालिया सैन्य अभियानों के विस्तार के लिए उनके कड़े विरोध के लिए यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस और कनाडा पर तीखा हमला किया और उन्होंने उन पर 7 अक्टूबर, 2023 को हमास के नरसंहार हमले को पुरस्कृत करने का आरोप लगाया। एक्स पर एक जोरदार पोस्ट में नेतन्याहू ने संघर्ष को हल करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दृष्टिकोण के साथ तालमेल बिठाते हुए, हमास के खिलाफ पूर्ण जीत हासिल करने के लिए इजरायल की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सीमा पर हमास आतंकवादियों के नष्ट होने से पहले इजरायल से हमारे अस्तित्व के लिए रक्षात्मक युद्ध समाप्त करने को कहकर तथा एक फिलिस्तीनी राज्य की मांग करके, लंदन, ओटावा और पेरिस में बैठे नेता 7 अक्टूबर को इजरायल पर हुए नरसंहारक हमले के लिए एक बड़ा इनाम देने की पेशकश कर रहे हैं, जबकि इस तरह के और अधिक अत्याचारों को आमंत्रित कर रहे हैं। यह बर्बरता पर सभ्यता का युद्ध है। जब तक पूर्ण विजय प्राप्त नहीं हो जाती, इजरायल न्यायपूर्ण तरीकों से अपना बचाव करता रहेगा।

भारत-रूस के जिगरी को बुलाकर ट्रंप ने किया बेइज्जत, भरी मीटिंग में ही लगे चिल्लाने

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामाफोसा ने ये कभी नहीं सोचा था कि जिन रिश्तों को बनाने के लिए वो अमेरिका पहुंचेंगे। उन्हें इस तरीके से राष्ट्रपति ट्रंप पूरी दुनिया के सामने शर्मशार कर देंगे। ट्रंप के मुंह से निकले एक–एक शब्द एक–एक लाइन रामाफोसा को छलनी कर रहा था। रामाफोसा इससे कितने असहज हो गए ये सामने आई तस्वीरों से साफ हो गया। रामाफोसा की बेइज्जती की तस्वीरें पूरी दुनिया में चर्चाओं का विषय बन चुकी है। ट्रंप ने कैसे रामाफोसा को बुलाकर बेइज्जत किया है। उनके देश को बेइज्जत किया है। इसकी चर्चा आज हर तरफ हो रही है। काले गोरे की कहानी को बहुत पीछे छोड़ चुकी दुनिया आज भी लग रहा है उसी रंग और भेदभाव की लड़ाई में उलझ कर रह जाएगी। दुनिया के सबसे शक्तिशाली मुल्क अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के ऑफिस में दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामाफोसा पहुंचे थे। लेकिन उन्हें बेइज्जत करने के लिए ट्रंप ने मानो पूरा मूड बना रखा हो। पूरी तैयारी की गई थी। प्रेस ब्रीफिंग के दौरान टीवी लगाया गया था। उस टीवी पर वो वीडियो चल रहा था जो लगातार रामाफोसा को असहज कर रहा था। दक्षिण अफ्रीका की किसी एक पार्टी ने श्वेत अफ्रीकी लोगों को लेकर कुछ अपमानित शब्दों का इस्तेमाल किया। तस्वीर अफ्रीका के संसद से निकलकर सामने आई और इसके बाद फिर बवाल देखते ही देखते बढ़ गया। ट्रंप ने ऑफिस में अपने टीवी पर पत्रकारों के सामने अफ्रीका के संसद का वीडियो चलवाया। इस दौरान रामाफोसा का चेहरा देखने लायक था। फिर डोनाल्ड ट्रंप ने एक और वीडियो दिखाई। हालांकि वो वीडियो सार्वजनिक नहीं की गई। लेकिन उस वीडियो को देखने के बाद रामाफोसा हैरान हो चुके थे। रामाफोसा ने पूछा कि ये कहां कि तस्वीर है। इस पर ट्रंप ने इनकार कर दिया कि वो नहीं जानते। उसके बाद उन्होंने फिर जोर दिया कि वो इसके बारे में जानना चाहेंगे। काले गोरे के भेद में और दक्षिण अफ्रीका पर लगे आरोपों के बीच रामाफोसा की तरफ से प्रतिक्रिया भी आई। उन्होंने कहा कि ये एक छोटी पार्टी की तरफ से की गई टिप्पणी है और जिसका समर्थन अफ्रीका की सरकार नहीं करती है। उन्होंने कहा कि आपने जो भाषण देखा वो सरकारी नीति नहीं है।

इजराइल दूतावास के 2 कर्मचारियों की हत्या, भड़का अमेरिका, कहा- बर्दाश्त नहीं करेंगे

अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी जो कि दुनिया की सबसे सुरक्षित जगह मानी जाती है। वहां से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई। बुधवार की शाम को इजरायली दूतावास के सामने दो कर्मचारियों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। ये घटना यहूदी म्यूजियम के पास हुई है। आपको बता दें कि होमलैंड सिक्योरिटी सिक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने इसकी पुष्टि कर दी है। ये यहूदी म्यूजियम वाशिंगटन डीसी में एफबीआई फील्ड ऑफिस से कुछ कदम की ही दूरी पर स्थित है। यूएस होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम के अनुसार, 21 मई की देर रात वाशिंगटन में कैपिटल यहूदी संग्रहालय के बाहर दो इजरायली दूतावास के कर्मचारियों की हत्या कर दी गई।

नोएम ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि हम सक्रिय रूप से जांच कर रहे हैं और साझा करने के लिए अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए काम कर रहे हैं। कृपया पीड़ितों के परिवारों के लिए प्रार्थना करें। हम इस दुष्ट अपराधी को न्याय के कटघरे में लाएंगे। यूएस अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी ने कहा कि उन्होंने डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया के लिए अंतरिम यूएस अटॉर्नी जीनिन पिरो के साथ घटनास्थल का दौरा किया। एक बयान में अमेरिकन यहूदी समिति (।श्ब) ने पुष्टि की कि उसने बुधवार शाम को संग्रहालय में एक कार्यक्रम आयोजित किया था। एजेसी के सीईओ ने कहा कि हम इस बात से स्तब्ध हैं कि कार्यक्रम स्थल के बाहर हिंसा की एक अकल्पनीय घटना हुई। इस समय, जबकि हम पुलिस से इस बारे में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा कर रहे हैं कि वास्तव में क्या हुआ, हमारा ध्यान और हमारा दिल केवल उन लोगों के साथ है जिन्हें नुकसान पहुँचाया गया और उनके परिवारों के साथ है।

मेयर मुरील बोसर द्वारा आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अधिकारियों ने बंदूकधारी की पहचान शिकागो के 30 वर्षीय एलियास रोड्रिगेज के रूप में की। प्रेस ब्रीफिंग के दौरान वाशिंगटन पुलिस विभाग की प्रमुख पामेला स्मिथ ने कहा कि गोलीबारी से पहले, संदिग्ध को संग्रहालय के पास इधर–उधर घूमते देखा गया था। वह चार लोगों के एक समूह के पास गया, एक हैंडगन निकाली और गोली चला दी। पीड़ित एक पुरुष और एक महिला थे, जो स्थानीय समयानुसार रात करीब 9 बजे संग्रहालय से बाहर निकल रहे थे। बोसर ने कहा कि हम इस हिंसा को बर्दाश्त नहीं करेंगे... हम यहूदी–विरोधी भावना को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

भारत की कार्रवाई से झल्लाया पाकिस्तान, 24 घंटे में हाई कमीशन के एक अधिकारी को देश छोड़ने का दिया आदेश

पाकिस्तान सरकार ने गुरुवार को भारतीय उच्चायोग के एक कर्मचारी को निष्कासित करने का एलान किया। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, एक पारस्परिक कूटनीतिक कार्रवाई में पाकिस्तान सरकार ने इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग के एक कर्मचारी को निष्कासित करने की घोषणा कर दी। पाकिस्तान ने भारतीय उच्चायोग के कर्मचारी कोश अवांछित व्यक्तिश घोषित किया और 24 घंटे के भीतर उसे जाने का आदेश दिया। यह कदम भारत द्वारा नई दिल्ली में अपने उच्चायोग से एक पाकिस्तानी राजनयिक को राजनयिक स्थिति के अनुरूप गतिविधियों में शामिल होने के इसी तरह के आधार पर निष्कासित किए जाने के बाद उठाया गया है। विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, पाकिस्तान सरकार ने इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग के एक कर्मचारी को उसकी विशेषाधिकार प्राप्त स्थिति के विपरीत गतिविधियों में शामिल होने के कारण अवांछित व्यक्ति घोषित किया है। संबंधित अधिकारी को 24 घंटे के भीतर पाकिस्तान छोड़ने का निर्देश दिया गया है। इस निर्णय की जानकारी देने के लिए भारतीय प्रभारी को विदेश मंत्रालय बुलाया गया। बयान में कहा गया कि इस बात पर जोर दिया गया कि भारतीय उच्चायोग के किसी भी राजनयिक या कर्मचारी को किसी भी तरह से अपने विशेषाधिकारों और स्थिति का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। इससे पहले बुधवार को भारत ने नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में कार्यरत एक पाकिस्तानी अधिकारी को भारत में उसकी आधिकारिक स्थिति के अनुरूप गतिविधियों में संलिप्त होने के कारण अवांछित व्यक्ति घोषित कर निष्कासित कर दिया था।

पोप लियो 14वें ने गाजा तक सहायता पहुंचाने और शत्रुता समाप्त करने का आह्वान किया

पोप लियो 14वें ने बुधवार को 'सेंट पीटर्स स्क्वायर' में अपनी पहली आम सभा की अध्यक्षता करते हुए गाजा पट्टी में मानवीय सहायता पहुंचाने और वहां के लोगों पर पड़ रहे ''हृदयविदारक'' प्रभाव को समाप्त करने का आह्वान किया।

संक्षिप्त

ट्रंप ने 'व्यापार' के जरिये भारत-पाक संघर्ष को 'सुलझाने' का फिर दावा किया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को अपना दावा दोहराते हुए कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया संघर्ष को 'व्यापार' के माध्यम से 'सुलझाया'। ट्रंप ने

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के साथ बैठक के दौरान ओवल ऑफिस में कहा, ''अगर आप देखें कि हमने पाकिस्तान और भारत के साथ क्या किया। हमने उस पूरे मामले को सुलझा दिया है, और मुझे लगता है कि मैंने इसे व्यापार के माध्यम से सुलझाया है।'' उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ 'बड़ा सौदा' कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ''मुझे यह कहने में नफरत हो रही है कि एक तरफ हमने ये मुद्दा सुलझाया, लेकिन दो दिन बाद कुछ हुआ, और उन्होंने कहा कि यह ट्रंप की गलती है।'' ट्रंप ने कहा कि पाकिस्तान में कुछ बेहतरीन लोग और कुछ वाकई अच्छे और महान नेता हैं, लेकिन भारत उनका (ट्रंप) दोस्त है। इस पर दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति ने जवाब दिया, ''मोदी, साझा दोस्त हैं।'' अमेरिकी राष्ट्रपति बार–बार दावा करते रहे हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को कम करने में मदद की।

श्रीलंका द्वारा रिहा किये गए भारतीय मछुआरे स्वदेश लौटे

श्रीलंका की जेल से रिहा किए गए 11 भारतीय मछुआरे बृहस्पतिवार को स्वदेश लौट आए। अधिकारियों ने बताया कि

तमिलनाडु में रामनाथपुरम जिले के रहने वाले मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने इस साल जनवरी में समुद्री सीमा के कथित उल्लंघन के लिए गिरफ्तार कर लिया था। श्रीलंका की एक अदालत ने हाल में उन्हें रिहा करने का आदेश दिया था। वे कोलंबो से एक विमान से बृहस्पतिवार को यहां पहुंचे और सड़क मार्ग से अपने गृह नगर रवाना हो गए।

अमेरिका में यहूदी संग्रहालय के पास गोलीबारी में इजराइली दूतावास के दो कर्मचारियों की मौत

वाशिंगटन स्थित इजराइली दूतावास के दो कर्मचारियों की बुधवार शाम एक यहूदी संग्रहालय के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई। गृह मंत्री क्रिस्टी नोएम ने यह जानकारी दी। नोएम ने 'एक्स पर एक पोस्ट में 'कैपिटल यहूदी संग्रहालय' के बाहर हुई गोलीबारी में दो कर्मचारियों के मारे जाने की जानकारी दी। यह संग्रहालय देश की राजधानी में एफबीआई के क्षेत्रीय कार्यालय से कुछ दूरी पर स्थित है। अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी ने कहा कि वह

पूर्व न्यायाधीश जीनिन पीरो के साथ घटनास्थल पर मौजूद हैं। पीरो वाशिंगटन में अमेरिकी अटॉर्नी के पद पर कार्यरत हैं। संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के राजदूत डैनी डैनन ने गोलीबारी को ''यहूदी विरोधी आतंकवाद का घृणित कृत्य'' करार दिया। पुलिस ने बुधवार देर रात तक गोलीबारी की घटना के संबंध में विस्तार से जानकारी नहीं दी थी। डैनन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हमें विश्वास है कि अमेरिकी अधिकारी इस आपराधिक कृत्य के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे। इजराइल दुनिया भर में अपने नागरिकों और प्रतिनिधियों की सुरक्षा के लिए दृढ़ता से काम करना जारी रखेगा।

उत्तर कोरिया का नया युद्धपोत अपने जलावतरण समारोह के दौरान क्षतिग्रस्त हुआ

उत्तर कोरिया की नौसेना के लिए अहम 5,000 टन वजनी एक नया विध्वंसक युद्धपोत अपने जलावतरण समारोह के दौरान क्षतिग्रस्त हो गया। इस कार्यक्रम में उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन भी शामिल हुए थे। सरकारी मीडिया ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उत्तर कोरिया की आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) के अनुसार, युद्धपोत जलावतरण के समय 'रैंप' से फिसल गया और फंस गया जिससे युद्धपोत का संतुलन बिगड़ गया और उसका निचला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।